DD

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिव्य दिल्ली

वर्षः 01, अंकः 03, पृष्ठः 08 infodivyadelhi@gmail.com

बुधवार, 10 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री सूर्योदय 05.25 सूर्यास्त 06.50

सीपी राधाकृष्णन होंगे अगले उपराष्ट्रपति

एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। वहीं इंडिया कैंडिडेट सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले।

पीएम मोदी ने किया सबसे पहले मतदान

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। मोदी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल, जितेंद्र सिंह और एल. मुरुगन के साथ संसद भवन के कमरा संख्या 101, वसुधा में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला।

राजेश चौहान

नई दिल्लीः सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। वहीं इंडिया कैंडिडेट सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। इंडिया गठबंधन के 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था, जिससे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को 15 वोट कम मिले। बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के 4 और बीजेडी के 7 सांसद हैं। लोकसभा में इकलौते सांसद वाले शिरोमणि अकाली दल ने भी पंजाब में बाढ़ के चलते वोट डालने से इनकार कर दिया। धनखड़ ने 21 जुलाई को खराब सेहत का हवाला देकर उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था। वहीं बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं अकाली दल के सांसद ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

शुरूआत में मतदान करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सैयद नासिर हुसैन शामिल थे।

पूर्व प्रधानमंत्री, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हाथों में हाथ डाले मतदान केंद्र तक जाते देखे गए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मतदान किया।

दक्षिण भारत से थे दोनों उम्मीदवार

संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हुआ। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। उप राष्ट्रपति पद के राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन तमिलनाडु की एक प्रमुख ओबीसी जाति गौंडर से आते हैं और आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले हैं। राधाकृष्णन को 2023 में झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था और फिर जुलाई 2024 में उन्हें महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दिया गया था। अपने पूर्ववर्ती धनखड़ के विपरीत, राधाकृष्णन ने राज्यपाल के रूप में विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से काफी हद तक परहेज किया है। वह 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और 1999 में फिर से इस सीट से लोकसभा के लिए निर्विचत हुए थे। विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हैं और गोवा के लोकायुक्त रहे हैं। वह हैदराबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय माध्यस्थम् एवं मध्यस्थता केंद्र के न्यासी बोर्ड के सदस्य भी हैं। रेड्डी जुलाई 2011 में शीर्ष अदालत से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने एक फैसले में, नक्सलियों से लड़ने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गठित सलवा जुडूम को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में रेड्डी ने विदेश में बैंक खातों में अवैध रूप से रखे गए बेहिसाबी धन को वापस लाने के लिए सभी कदम उठाने के वास्ते एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया था।

भाजपा सरकार किसानों एवं आमजन से जुड़े मुद्दे पर गंभीर नहीं- गहलोत

जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर किसानों एवं आमजन से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाते हुए प्रदेश में अतिवृष्टि को लेकर बन रही विकट परिस्थितियों पर विधानसभा में चर्चा कराए जाने की मांग की है। गहलोत ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि यह एक परंपरा रही है कि जब विधानसभा या संसद का सत्र चल रहा हो तब यदि कोई विशेष परिस्थिति जैसे प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि की स्थिति बनती है तो सरकार उस विषय पर बहस करवाती है।

युद्ध हमेशा अप्रत्याशित होते हैं: आर्मी चीफ

आधुनिक युद्ध और सैन्य तैयारियों के प्रमुख पहलुओं पर भी बात की

जनरल द्विवेदी तीन प्रमुख पहलुओं- बल दृश्यीकरण, बल सुरक्षा और बल प्रयोग पर भी बात की

नई दिल्ली

थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में युद्धों की अप्रत्याशित प्रकृति पर बात की और आधुनिक युद्ध और सैन्य तैयारियों के प्रमुख पहलुओं पर भी बात की।

दिल्ली में अखिल भारतीय प्रबंधन संघ के 52वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, 'जब रूस युद्ध में गया, तो हमने हमेशा सोचा था कि यह युद्ध केवल 10 दिनों तक चलेगा। ईरान-इराक युद्ध लगभग 10 वर्षों तक चला। लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर की बात आई, तो हमें नहीं था कि यह कितने दिनों तक चलेगा, और हममें से अधिकांश लोग कह रहे थे, यह चार दिन के टेस्ट मैच में क्यों समाप्त हो गया? युद्ध हमेशा अप्रत्याशित होता है। हम किसी मुद्दे के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते।'

'लंबे समय तक युद्ध के लिए पर्याप्त संसाधन होने जरूरी'

जनरल द्विवेदी ने युद्ध और सैन्य तैयारियों के तीन प्रमुख पहलुओं- बल दृश्यीकरण, बल सुरक्षा और बल प्रयोग पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जहां तक हमारा संबंध है, हम तीन पहलुओं पर विचार करते हैं - बल दृश्यीकरण, बल सुरक्षा और बल प्रयोग। हम देखते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध में जो बल दृश्यीकरण किया गया था, वह शायद एक गलत अनुमान था।

राष्ट्रपति और राज्यपाल नाममात्र के प्रमुखः कर्नाटक सरकार

संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपाल को किसी भी आपराधिक कार्रवाई से छूट प्रदान करता है क्योंकि वे कोई कार्यकारी काम नहीं करते हैं।

नई दिल्ली

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल केवल नाममात्र के प्रमुख हैं और केंद्र तथा राज्य दोनों जगह मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करने के लिए बाध्य हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के सामने कर्नाटक सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने बताया कि संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपाल को किसी भी आपराधिक कार्रवाई से छूट प्रदान करता है, क्योंकि वे कोई कार्यकारी काम नहीं करते हैं।

मंत्रिपरिषद की संतुष्टि ही राज्यपाल की संतुष्टि

गोपाल सुब्रमण्यम ने सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर मंत्रिपरिषद की संतुष्टि ही राज्यपाल की संतुष्टि होती है। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है।

बंगाल सरकार ने दिया तर्क

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट में पूछा है कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है? 3 सितंबर को, पश्चिम बंगाल सरकार ने शीर्ष अदालत के समक्ष तर्क दिया कि विधेयक के रूप में जनता की इच्छा राज्यपालों और राष्ट्रपति की मनमर्जी के अधीन नहीं हो सकती। टीएमसी शासित राज्य सरकार ने दलील दी थी कि राज्यपाल संप्रभु की इच्छा पर सवाल नहीं उठा सकते।

प्रधानमंत्री करेंगे पांच दिवसीय यूपी आईटीएस का शुभारंभ

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के 'क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर' से दुनिया भर के उद्यमियों, विनिमार्ताओं और व्यापारियों को परिचित कराने वाले वार्षिक आयोजन 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' (यूपीआईटीएस) का तीसरा संस्करण आगामी 25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट में आयोजित होने जा रहा है।

इस भव्य आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होगा।

तीसरे संस्करण में पार्टनर कंट्री के रूप में रूस की सहभगिता होगी। तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक यूपीआईटीएस के दो संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में हुई शुरूआत ने प्रदेश के निर्यात को नई गति और वैश्विक पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के 'क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर' को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का बेहतरीन अवसर बताते हुए कहा कि यह आयोजन आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा और ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, आंत्रप्रेन्योर, विनिमार्ताओं और निर्यातकों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा।

उत्तर प्रदेश, बिहार में गंभीर बाढ़ की स्थिति

नई दिल्ली

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने सोमवार को देशभर में 25 स्थानों पर गंभीर बाढ़ की स्थिति की सूचना दी, जिसमें उत्तर प्रदेश में 12, बिहार में 10 और झारखंड, राजस्थान और बंगाल में एक-एक स्टेशन शामिल हैं। अन्य 20 स्थानों पर सामान्य से अधिक बाढ़ आ रही है, जिनमें उत्तर प्रदेश में नौ, बिहार में पांच, असम में चार तथा दिल्ली और बंगाल में एक-एक स्टेशन शामिल हैं।

इसके साथ ही कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, बंगाल और उत्तराखंड सहित राज्यों में 42 बांधों और बैराजों के लिए बाढ़ का पूवार्नुमान जारी किया गया है।

नेपाल में हिंसक प्रदर्शनः पीएम ओली ने दिया इस्तीफा

काठमांडू

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के बीच पीएम केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे एक दिन पहले युवाओं के हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में करीब 20 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के घर पर भीड़ ने हमला कर दिया। इस हमले में पूर्व पीएम भी घायल हुए हैं।

भूस्खलन के चलते गंगोत्री हाईवे नालूपानी में 20 घंटे सेर बंद

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे धरासू नालूपानी में भूस्खलन से 20 घंटे से लगातार बंद का है, जिससे सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। सोमवार को दोपहर बाद ठीक चार बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग नालूपानी में भारी भूस्खलन से सड़क पर पूरा 'पहाड़' आ गिरा है, जिससे हाईवे पर दोनों ओर से देर रात्रि तक वाहनों की लंबी कतारें लगी थी। लोगों को उम्मीद थी कि देर रात्रि तक हाईवे खुलेगी लेकिन देर रात्रि बीआरओ की मशीनों ने कार्य बंद कर दिया जिससे हाईवे खुलने के इंतजार में बैठे दर्जनों वाहन मायूस होकर वापस लौटें है। इधर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उत्तरकाशी शार्दुल गुसाईं ने बताया कि बीआरओ की मशीनें दोनों तरफ से कार्य में जुटे है। आज दोपहर 12 बजे तक हाईवे खुलने की संभावना है ।

ये मार्ग है बंद

एनएच- 34 स्थान नालू पानी, हेल्गुगाड, थिराग के पास मार्ग बाधित हैं। बीआरओ द्वारा उक्त स्थान पर मार्ग खोलने हेतु कार्यवाही गतिमान हैं। डुण्डा से उत्तरकाशी डाबरानी से ऊपर (हर्षिल, धराली के पास 474 वाहनों के लिए) धराली-गंगोत्री तक यातायात सुचारू किया गया हैं। एनएच कल्याणी के पास हाईवे सुचारू कर दिया जबकि सिलाई बैन्ड,जंगलचट्टी, बनास, जंगलचट्टी से 200 मीटर पहले (कुल 05 प्वाइंट) में मार्ग बाधित हैं।

मंडी और चंबा मेडिकल कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी

मंडी/चंबा

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला स्थित लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज नेरचौक को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। यह ईमेल मंगलवार को जिला प्रशासन को प्राप्त हुआ, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। एहतियातन मेडिकल कॉलेज को खाली करवा दिया गया है और मौके पर एसपी मंडी, डीसी मंडी सहित प्रशासन व सुरक्षा बलों के अधिकारी पहुंच चुके हैं। कॉलेज परिसर में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें बम की तलाश में जुटी हैं। अस्पताल के बाहर अफरा-तफरी का माहौल है और लोगों में भय का माहौल व्याप्त है। डीएसपी हेडक्वार्टर दिनेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस टीमों ने मौके पर पहुंचकर सारे परिसर की जांच शुरू कर दी।

पीएम मोदी ने हिमाचल को 1500 करोड़ देने का ऐलान किया

बाढ़ग्रस्त इलाकों का हवाई सर्वे किया, मृतकों के परिजनों को दो लाख और घायलों को पचास हजार रुपये देने की घोषणा की.

धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का हवाई सर्वे करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश के बाढ़ और बारिश प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का ऐलान किया है। पीएम मोदी ने इस दौरान मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की।

जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी ने इस दौरान प्रदेश के प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट कीं और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा मित्र स्वयंसेवकों से भी भेंट की और राहत एवं बचाव कार्यों में उनके साहस और प्रयासों की सराहना की। गग्गल एयरपोर्ट पर पीएम ने मंडी के सराज की गोहर की 11 माह की नितिका के परिवार से भी मुलकात की। नीतिका की दादी, मां और पिता सराज में आई आपदा में सैलाब में बह गए थे।

उधर, इससे पहले, पीएम नरेंद्र मोदी ने कांगड़ा के आपदा प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया। उन्होंने आसमान से पहाड़ों पर पड़े जख्मों को देखा और फिर कांगड़ा के गग्गल एयरपोर्ट पर पहुंचे. यहां पर सीएम सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, सहित नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने पीएम का स्वागत किया। हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन की तरफ से 9 सितंबर तक की रिपोर्ट जारी की है और बताया कि 20 जून से मॉनसून सीजन का आगाज हुआ था. इस दौरान भारी बारिश और लैंडस्लाइड, रोड एक्सीडेंट में कुल 366 लोगों की मौत हो चुकी है और अब भी 41 लोग लापता हैं और 426 लोग घायल हैं. आपदा के चलते 6,301 मकान क्षतिग्रस्त हुए है और 1,991 मवेशियों और 26,955 पोल्ट्री बर्ड्स की जान चली गई है. अब तक 4,080 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान आंकलन किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री से रखा प्रदेशवासियों की पीड़ा: सीएम

शिमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। वहीं मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू धर्मशाला के गगल हवाई अडडे पर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के लिए एक अभिभावक के समान होते हैं और ऐसे समय में जब प्रदेश भयंकर आपदा से जूझ रहा है, उनका आगमन संबल देने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल की सुंदर धरती आज भयंकर पीड़ा से गुजर रही है। घरों के उजड़ने, अपनों को खोने का दुख, और सड़क, बिजली तथा जलशक्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं को हुए भारी नुकसान ने प्रदेश को झकझोर दिया है।

शिमला में 70, कांगड़ा में 44 व चम्बा में 42 सड़कें ठप

शिमला में 70, कांगड़ा में 44 व चम्बा में 42 सड़कें ठप हैं। बिजली आपूर्ति की बात करें तो अकेले कुल्लू जिला में 1512 बिजली ट्रांसफार्मरों के खराब होने से कई जगह बिजली गुल है। शिमला में 67 व मंडी में 66 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हैं। इसके अलावा कांगड़ा में 176, शिमला में 120, कुल्लु में 63 और मंडी में 57 पेयजल स्कीमें प्रभावित हैं।

इस बार मॉनसून सीजन ने प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। अब तक कुल 374 लोगों की मौत हो चुकी

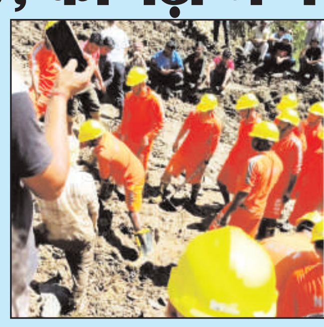

है और 42 लोग लापता हैं। हादसों में 435 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा मौतें मंडी जिले में (61) दर्ज हुई हैं। कांगड़ा में 51, चंबा में 43, कुल्लू में 43, शिमला में 39, किन्नौर में 28, सोलन में 26, ऊना में 22, बिलासपुर और सिरमौर में 18-18, हमीरपुर में 16 और लाहौल-स्पीति में 9 लोगों की जान गई है।

मॉनसूनी आपदा से अब तक 1204 मकान पूरी तरह ढह चुके हैं और 5140 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अलावा 461 दुकानें और 5354 पशुशालाएं भी जमींदोज हो गई हैं। 1997 पशुओं और 26 हजार से अधिक पोल्ट्री पक्षियों की मौत हुई है। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक सार्वजनिक संपत्ति को 4122 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। इस मॉनसून सीजन में अब तक प्रदेश में 136 भूस्खलन, 95 बाढ़ और 45 बादल फटने की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

हिमाचल: 615 सड़कें बंद, कुल्लू भूस्खलन में चार शव बरामद

शिमला

हिमाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार को मौसम खुल गया है और धूप खिली है। हालांकि बीती रात कुछ स्थानों पर तेज बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन मॉनसून की हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। इसके बाद 12 सितंबर को राज्य के अधिकांश इलाकों में अंधड़ व आसमानी बिजली गिरने और 13 सितम्बर को अंधड़ व आसमानी बिजली के साथ भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। 14 व 15 सितम्बर को भी मौसम खराब रहेगा, लेकिन किसी तरह का अलर्ट व चेतावनी नहीं दी गई है। बीती रात से आज सुबह तक सोलन जिला के कसौली में सर्वाधिक 75 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई।

इस बीच बारिश के कारण राज्य में भूस्खलन की घटनाएं पेश आ रही हैं। कुल्लू जिला के निरमण्ड उपमण्डल के शर्माणि गांव में बीती रात भूस्खलन से दो मकान जमींदोज हो गए। इस दर्दनाक हादसे में एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जबकि एक लापता हैं। मलबे की जद में आये तीन लोगों को घायल अवस्था में रसक्यू किया गया। उधर, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक भूस्खलन से मंगलवार सुबह तक राज्य भर में 4 नेशनल हाइवे व 615 सड़कें बंद रहीं। इसके अलावा 1748 बिजली ट्रांसफार्मर और 461 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। अकेले कुल्लू जिले में ही दो नेशनल हाइवे (एनएच-03 व एनएच-305) औ? 223 सड़कें प्रभावित हैं। ऊना जिला में एनएच-503ए व 21 सड़कें अवरुद्ध हैं। मंडी जिला में भी एनएच-03 और 164 सड़कें अवरुद्ध है। किन्नौर में एनएच-05 अवरुद्ध है।

आर्थिक लेनदेन निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के लिए लाभकारी हों: जयशंकर

नई दिल्ली

अमेरिका के टैरिफ विवाद को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने सोमवार को ब्रिक्स के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में कहा कि दुनिया के लिए यह अनिवार्य है कि आर्थिक लेनदेन निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के लिए लाभकारी हों। उन्होंने कहा कि दुनिया को स्थायी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक दष्टिकोण की आवश्यकता है। बाधाओं को बढ़ाने और लेनदेन को जटिल बनाने से कोई फायदा नहीं होगा, न ही व्यापार से जुड़े पहलों को गैर-व्यापारिक मामलों से जोड़ने से ही कोई लाभ होगा।

बैठक का बैकग्राउंड

इस शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधित्व किया।

इसमें चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्रिक्स देशों के समूह के कई अन्य नेताओं ने भी भाग लिया। यह शिखर सम्मेलन ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा द्वारा व्यापार और टैरिफ को लेकर वॉशिंगटन की नीतियों के कारण उत्पन्न व्यापार संबंधी व्यवधानों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। जयशंकर ने कहा कि दुनिया व्यापार और निवेश के लिए एक स्थिर और पारदर्शी वातावरण चाहती है।

उन्होंने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के खुले, निष्पक्ष, पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण जैसे मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा की जानी चाहिए। जयशंकर ने कहा, "दुनिया एक साथ व्यापार और निवेश के लिए स्थिर और भरोसेमंद माहौल चाहती है। साथ ही यह जरूरी है कि आर्थिक व्यवहार निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के हित में हो।

भारत की साक्षरता दर बढ़कर 80 .9% हुई: प्रधान

"भारत की साक्षरता दर 2011 में 74 प्रतिशत थी जोकि 2023-24 में बढ़कर 80 .9 प्रतिशत हो गई है। सच्ची प्रगति तभी होगी जब साक्षरता प्रत्येक नागरिक के लिए एक जीवंत वास्तविकता बन "

नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत की साक्षरता दर 2011 में 74 प्रतिशत थी जोकि 2023-24 में बढ़कर 80.9 प्रतिशत हो गई है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सच्ची प्रगति तभी होगी जब साक्षरता प्रत्येक नागरिक के लिए एक जीवंत वास्तविकता बन जाएगी। प्रधान ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्मान, सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता का साधन है। प्रधान ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025 के अवसर

पर एक वर्चुअल संबोधन में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की भूमिका को सराहते हुए कहा कि इसके तहत तीन करोड़ से अधिक शिक्षार्थियों और 42 लाख स्वयंसेवकों ने पंजीकरण कराया है।

धर्मेंद्र प्रधान ने क्या कहा?

उन्होंने बताया कि लगभग 1.83 करोड़ शिक्षार्थियों ने मौलिक साक्षरता और संख्यात्मकता के आकलन में भाग लिया, जिसकी सफलता दर 90 प्रतिशत रही। यह कार्यक्रम 26 भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री प्रदान करता है, जिससे साक्षरता वास्तव में समावेशी बनती है। उन्होंने युवाओं और छात्रों से साक्षरता मिशन में योगदान देने का आग्रह किया और सुझाव दिया कि ऐसे प्रयासों को अकादमिक क्रेडिट के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। प्रधान ने लद्दाख, मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश को पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने पर बधाई दी और इसे सरकार, समाज और स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयास की पुष्टि बताया।

पीएम जनमन योजना में समाज को भी सहयोग चाहिए: पटेल

भोपाल

मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय वर्ग के कल्याण की अभूतपूर्व योजना है और यह समाज के वंचित वर्गों के उत्थान का प्रयास है। समरस समाज के निर्माण की इस पहल में सरकार के साथ समाज को भी सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने आव्हान किया कि पीएम जनमन आवास योजना के आवासों को और अधिक बेहतर बनाने के लिये समाज के समृद्ध वर्ग का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए। राज्यपाल पटेल पीएम जनमन योजना की प्रगति की मंगलवार को राजभवन में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि प्रशासनिक स्तर पर निर्माण कार्य की मजबूती के लिए सामग्री की गुणवत्ता के साथ निर्माण की देख-रेख के प्रयासों में मैदानी सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण सामग्री की लागत को कम करने, कीमतों में समन्वय, स्थानीय और हरित निर्माण सामग्री के उपयोग की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आवास की मजबूती से कोई समझौता नहीं हो। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय समुदाय को समग्रता में लाभान्वित करने की योजना है। हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दृष्टि से सबसे गरीब को सबसे पहले प्राथमिकता देना चाहिए और आवास मजबूत और सुविधा जनक हो। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आवास निर्माण स्थल का निरीक्षण निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सहयोग की दृष्टि से किया जाना चाहिए। स्थल चयन, आकार और निर्माण के दौरान लगने वाली सामग्री की उपलब्धता और गुणवत्ता संबंधी विभिन्न पहलुओं पर हितग्राहियों को सहयोग और मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। बैठक में राज्यपाल को बताया गया कि आवास निर्माण के लिए स्थानीय सामग्री उपलब्ध कराने की पहल की गई है। ईंट निर्माण में स्व-सहायता समूहों को जोड़ा गया है। पर्यावरण अनुकूल निर्माण प्रयासों की भी पहल की गई है। निर्माण सामग्री की दर को कम करने के लिए जिला स्तर पर मूल्य निर्धारण की कार्यवाही भी की गई है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव का स्वावलंबी गौशालाओं पर जोर

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आत्मनिर्भर गोशाला, प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। गौ-शालाएं गोबर, गोमूत्र आदि अपशिष्ट से धन अर्जित कर संपन्न बन सकती हैं। अतः स्वावलंबी गौशालाएं विकसित करने के लिए गौशालाओं में दुग्ध उत्पादों सहित गोमूत्र-गोबर आदि से निर्मित सामग्री के विक्रय की व्यवस्था विकसित की जाए। इसके साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध स्थान का उपयोग सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन

के लिए भी किया जाए। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थानीय परिवेश के अनुरूप देसी नस्ल के गोपालन को प्रोत्साहित किया जाए। गौशालाओं के प्रबंधन में धार्मिक संस्थाओं और दानदाताओं को जोड़ा जाए। प्रदेश में उपलब्ध पशुधन के अनुपात में पशु चिकित्सकों की संख्या कम है। गोवंश के बेहतर प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु चिकित्सकों की संख्या में बढ़ोतरी आवश्यक है। इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड की मंत्रालय में हुई बैठक में दिए। बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री लखन पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार प्रदेश में देसी नस्ल के गोपालन को प्रोत्साहित करने के लिए गिर, साहीवाल, मालवी और नागौरी नस्ल के पशुधन को प्रोत्साहित किया जाए।

भारत अगले दो वर्षों में बनेगा विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था: पीयूष

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अगले दो से ढाई वर्षों में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने के लिए तैयार है, जो देश की हालिया आर्थिक प्रगति को दर्शाता है। इंजीनियरिंग एक्सपो?ट्र्स प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि 2014 में भारत दुनिया की पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 2025 में भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है।

आने वाले दो से ढाई वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत की विकास दर रिकार्ड 7.8 प्रतिशत रही है।

जन्म से ही बच्चों की ट्रैकिंग शिक्षा और पोषण पर सरकार का नया कदम

नई दिल्ली

अब घर-घर जाकर स्कूलों में पढ़ने योग्य बच्चों की तलाश नहीं होगी बल्कि जन्म लेने के साथ ही उनके पोषण और पढ़ाई को लेकर ट्रैकिंग शुरू हो जाएगी। इस दौरान जैसे ही वह तीन साल की उम्र पूरी करेंगे, उन्हें तुरंत ही पास के किसी प्री-प्राइमरी स्कूल (बालवाटिका या आंगनबाड़ी) में दाखिला दिया जाएगा। जहां उनके पोषण और पढ़ाई दोनों का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तीन साल की उम्र पूरी होते ही प्रत्येक बच्चों को स्कूल सिस्टम (बालवाटिका या आंगनबाड़ी) से जोड़ना है। शिक्षा मंत्रालय ने महिला बाल विकास मंत्रालय, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और राज्यों के जन्म पंजीयन विभाग के साथ मिलकर जन्म लेते ही बच्चों के ट्रैकिंग की यह योजना बनाई है। इसे लेकर शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में यूआईडीएआई के साथ भी चर्चा की है। मंत्रालय के मुताबिक इस पहल से कोई भी बच्चा न तो पोषण से वंचित रहेगा न ही पढ़ाई है।

बच्चों के पढ़ाई और विकास के लिए नई पहल

मौजूदा समय में स्कूलों में पीएम पोषण और आंगनबाड़ियों में महिला व बाल विकास के सहयोग के बच्चों को पढ़ाने के साथ ही पोषणयुक्त भोजन भी दिया जाता है। इस योजना पर काम कर रहे मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक इसका उद्देश्य बच्चों को तीन साल की उम्र होते ही स्कूलों से जोड़ना है।

इस दौरान जन्म लेने वाले बच्चे जैसे ही तीन साल की उम्र पूरी करने वाले होंगे, उन सभी का ब्यौरा संबंधित स्कूल या आंगनबाड़ियों को भेज दिया जाएगा। जो अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें तुरंत अपने यहां दाखिला देंगे।

आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को मिले स्कूल में दाखिला

मंत्रालय की यह भी योजना है कि बालवाटिका या आंगनबाड़ी में आने वाले प्रत्येक बच्चों को भी स्कूलों के दूसरे बच्चों की तरह अपार (आटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री) नंबर से लैस किया जाए। ताकि उनकी पढ़ाई व विकास की ट्रैकिंग की जा सके।

कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित नहीं रहेगा

इस पहल से जन्म लेने वाला कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित नहीं रहेगा। साथ ही कक्षा में सभी की उम्र भी एक समान रहेगी। इससे पढ़ाई की गुणवत्ता को भी ठीक तरीके से मापा जा सकेगा।

गौरतलब है कि अभी जन्म लेने वाले काफी बच्चे तीन साल की उम्र तक स्कूली सिस्टम से नहीं जुड़ पाते है।

सुप्रीम कोर्ट ने विधवा को संपत्ति का अधिकार दिया वापस, ससुराल वालों को लगाई फटकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक विधवा के संपत्ति के अधिकार बहाल कर दिए, जिसे उसके ससुराल वालों ने उसके पति की जीवन बीमा पालिसी से पैसे लेने के बाद वैवाहिक घर से बाहर निकाल दिया था। जस्टिस सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की पीठ ने सोमवार को देखा कि ससुराल वालों पर विधवा के साथ मारपीट करने का भी आरोप है। इस पीठ ने मामले में शीर्ष अदालत में अग्रिम जमानत के लिए दरवाजा खटखटाने वाले बिरेंद्र उरांव से कहा, "आपने इस गरीब विधवा को उसके पति की मृत्यु के बाद उसके घर से बाहर फेंक दिया, केवल उसकी संपत्तियों को छीनने के लिए। आपने उसके पति के नाम से जीवन बीमा पालिसी से पैसे लिए। अब आप गरीब आदिवासी होने का दावा कर रहे हैं। यह स्वीकार्य नहीं है।"

कोर्ट ने मारपीट के आरोपों का लिया संज्ञान

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, "ये लोग सोचते हैं कि आदिवासी होने के नाते वे कुछ भी कर सकते हैं। हम समझते हैं कि इन ग्रामीण क्षेत्रों में क्या होता है।" शीर्ष अदालत ने विधवा के ससुराल वालों द्वारा प्रस्तुत एक नोट को रिकार्ड में लिया, जिसमें उसके नाम पर संपत्तियों की बहाली का आश्वासन दिया गया था। पीठ ने मृतक साकेंद्र उरांव के परिवार के सदस्यों द्वारा महिला के साथ किए गए उत्पीड़न के आरोपों के गंभीर स्वभाव को रेखांकित किया।

आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत और आर्थिक सहायता की मांग की, सरकार तुरंत राहत राशि दे ताकि उनकी जिंदगी सामान्य हो सके

बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए आर्थिक सहायता की मांग

दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से नीचे इस बार भी जलभराव की स्थिति लंबी खिंच सकती है

शिवानी कौर बमराह
नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआपा) की नेता एवं दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार तुरंत राहत राशि दे ताकि उनकी जिंदगी सामान्य हो सके। आतिशी ने आज पत्रकार वार्ता में कहा कि दिल्ली में यमुना से आई बाढ़ ने राजधानी के हजारों परिवारों की जिंदगी अस्त-व्यस्त कर दी है। यमुना के पास इलाके में आई बाढ़ से दिल्ली के हजारों परिवार बेघर हो गए हैं। बच्चों की किताबें, सामान, उनके डॉक्यूमेंट्स सब नष्ट हो गए हैं। लोग 10 दिन से काम पर नहीं जा पाए हैं, हाथ में एक पैसा नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार से अपील करती हूं कि प्रभावित परिवार के हर बालिग सदस्य को तुरंत 18,000 रुपये राहत राशि और हर परिवार को नुकसान के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में राहत शिविरों में पानी, बिजली, साफ-सफाई और खाने की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रभावित परिवार बहुत दुखी हैं, उनका बहुत नुकसान हुआ है। सरकार को अपनी जिम्मेदारी से भागना नहीं चाहिए। उन्होंने दिल्ली सरकार से इस प्रकार की मांग कि है बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बच्चों को नई किताबें, कॉपियां और स्कूल का सामान मिले, यमुना किनारे खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 20,000 रुपये मुआवजा मिले और बाढ़ प्रभावित इलाकों में ही कैंप लगाकर उनके जरुरी डॉक्यूमेंट्स दोबारा बनवाए जाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता परेशान है कई इलाकों में पानी उतरने के बाद बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए हालात और भी कठिन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीद कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री उनकी पुकार सुनते हुए तुरंत प्रभावी कदम उठाएं और हर परिवार को आर्थिक मदद देकर उन्हें राहत पहुंचाएं। आतिशी ने कहा कि दिल्ली की जनता का मानना है कि सरकार अगर समय पर सहायता राशि दे तो प्रभावित परिवार अपनी जिंदगी को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर पाएंगे।

बारापुला फेज-तीन कॉरिडोर के लिए पेड़ काटने और प्रत्यारोपण की मिली मंजूरी

नई दिल्ली

एक दशक से अटका बारापुला फेज-तीन कॉरिडोर का काम आखिरकार अब पूरा होगा। केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) ने परियोजना के लिए पेड़ों को काटने और प्रत्यारोपण की मंजूरी दे दी है। इसके बाद 333 पेड़ों में से 85 पेड़े काटे जाएंगे और बाकी का प्रत्यारोपण होगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने घोषणा की कि अगले एक साल में यह कॉरिडोर पूरा कर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इससे पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-एक से दक्षिणी दिल्ली के आईएनए तक का सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा। बारापुला कॉरिडोर के फेज-1 और फेज-2 पहले ही पूरे हो चुके हैं। तीसरे चरण में सराय काले खां को मयूर विहार फेज-1 से जोड़ने की योजना 2014 में मंजूर हुई थी और अप्रैल 2015 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। पर्यावरण संबंधी अड़चनों और पेड़ों की कटाई-स्थानांतरण के लिए अनुमति न मिलने से यह परियोजना लगभग दस साल से ठप पड़ा था। अब सीईसी की मंजूरी के बाद इस पर तेजी से काम शुरू किया जाएगा। परियोजना की लागत भी समय के साथ बढ़ी है। शुरूआती अनुमान 964 करोड़ रुपये का था, लेकिन अब यह बढ़कर करीब 1330 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। करीब 3.5 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर को पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ डिजाइन किया गया है। कम पिलर लगाने के लिए पियर-सपोर्टेड संरचना और एक्स्ट्राडोब्रिज तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

बिना अनुमति ऐश्वर्या की फोटो इस्तेमाल न करने के मामले में फैसला सुरक्षित

अजीज सैफी
नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म अभिनेत्री ऐश्वर्या राय की अनुमति के बिना उनके फोटो, आवाज और अन्य व्यक्तिगत प्रतीकों का इस्तेमाल नहीं करने की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि वो इस मामले पर विस्तृत आदेश पारित करेंगे। सुनवाई के दौरान मंगलवार को कोर्ट ने ऐश्वर्या राय की याचिका से सहमति जताते हुए इस बात का संकेत दिया कि वो ऐश्वर्या राय के फोटो और उनके व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का इस्तेमाल नहीं करने का आदेश देगा। उच्च न्यायालय ने कहा कि वो ऑनलाइन प्लेटफार्म्स को निर्देश देंगे कि वो बिना अनुमति के ऐश्वर्या राय के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल नहीं करें। सुनवाई के दौरान ऐश्वर्या राय के वकील संदीप सेठी ने कहा कि याचिकाकर्ता की तस्वीर और उनकी पसंद नापसंद का लोग इस्तेमाल कर रहे हैं।

लोग ऐश्वर्या राय का इस्तेमाल कर चीजें भी बेच रहे हैं। यहां तक कि पोर्न कंटेंट भी परोसे जा रहे हैं। आश्चर्य है कि उनको फर्जी तरीके से शेयर किया जा रहा है। ऐश्वर्या राय के नाम और फोटो का इस्तेमाल कर कई लोग पैसे बना रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि ऐश्वर्या नेशन वेल्थ नामक एक फर्म ऐश्वर्या राय की तस्वीर का इस्तेमाल अपने लेटरहेड में चेयरपर्सन के रुप में करती है, जबकि ऐश्वर्या राय को इसके बारे में पहले से कोई जानकारी भी नहीं है। ऐसा करना पूरे तरीके से फर्जीवाड़ा है।

पिज्जा आउटलेट में लगी आग, पांच घायल

नई दिल्ली

दिल्ली के यमुना विहार इलाके में सोमवार रात एक पिज्जाआउटलेट के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। घटना में एक महिला समेत पांच लोग झुलस गए। जिन्हे पुलिस ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चार लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इधर दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।पुलिस के मुताबिक घायलों की पहचान देवेश्वरी, निखिल, साहिल, शिवम और प्रवेज के रूप में हुई है। फिलहाल भजनपुरा थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

दिल्ली सचिवालय में एडिशनल डीसीपी मध्य जिला, एसीपी कमला मार्केट ने बम निरोधक दस्ते के साथ जांच की

मनीषा
नई दिल्ली

मध्य जिले के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली सचिवालय और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीटीबी मेडिकल कॉलेज) को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ईमेल में धमाके का समय भी बताया गया है। ई-मेल में तीनों जगहों पर विस्फोट करने की बात लिखी गई थी। धमकी का ई-मेल मिलते ही पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। एहतियातन तीनों स्थानों को सुरक्षा घेरे में लेकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरा ईमेल सुबह प्राप्त हुआ, जिसके बाद तुरंत उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। दिल्ली सचिवालय में एडिशनल डीसीपी मध्य जिला, एसीपी कमला मार्केट व एसएचओ आईपी एस्टेट मौके पर पहुंचे और बम निरोधक दस्ते के साथ जांच शुरू कराई। इसी तरह मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में एटीओ, आईपी एस्टेट ने टीम के साथ तलाशी अभियान चलाया। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ियां भी तैनात की गई है। दमकल विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह पहली कॉल 11 बजे यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीटीबी मेडिकल कॉलेज) को मिली।उसके बाद दोपहर करीब 12 बजे सूचना मिली कि मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और दिल्ली सचिवालय में बम है। सूचना के बाद दोनों जगह दमकल की एक-एक गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। वहीं दिल्ली पुलिस की साइबर सेल को धमकी वाले ईमेल के स्त्रोत की जांच में लगाया गया है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि इस ईमेल की भाषा व स्टाइल पहले मिले कई फर्जी मेल से मिलती-जुलती है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वलसन की ओर से जानकारी साझा कर बताया गया कि अब तक जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा कारणों से दोनों जगहों की बारीकी से तलाशी जारी है।

डीडीएमए, ट्रैफिक पुलिस व स्पेशल सेल को भी अलर्ट कर दिया गया है, जिससे किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। पुलिस ने अपील की है कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें, घबराएं नहीं फिलहाल दोनों जगहों पर स्थिति नियंत्रण में है।

सड़क किनारे खून से लथपथ मिला युवक का शव

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक युवक सड़क पर खून से लथपथ हालत में पड़ा था

नई दिल्ली

रोहिणी जिले के केएन कार्टजू मार्ग इलाके में मंगलवार सुबह एक युवक का शव मिला । जांच में मृतक की पहचान राजीव गार्डन, लोनी देहात, गाजियाबाद निवासी रज्जब खान (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 6:15 बजे पीसीआर को कॉल प्राप्त हुई कि "श्मशान घाट वाली रोड, सेक्टर-26, रोहिणी पर एक्सीडेंट हुआ है, यहां युवक घायल है और एम्बुलेंस की आवश्यकता है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक युवक सड़क पर खून से लथपथ हालत में पड़ा था। उसके शरीर पर कई चोटों के साथ-साथ चाकू के निशान भी मिले।

शिक्षा मंत्री ने अभियान के तहत दिया स्वच्छता का संदेश

'स्वच्छ भारत मिशन' से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया

फोटो: शिव ठाकुर

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को जनकपुरी इलाके में 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' अभियान के तहत एक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में स्थानीय निवासियों, स्कूल छात्रों और सामुदायिक समूहों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान आशीष सूद ने कहा कि यह सिर्फ सफाई का अभियान नहीं है, बल्कि लोगों का दिल्ली के भविष्य को संवारने का संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वच्छ भारत मिशन' से प्रेरणा लेते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सूद ने बताया कि इस अभियान के तहत जनकपुरी की हर गली-नुक्कड़ को कूड़ा मुक्त बनाने का लक्ष्य है, ताकि दिल्ली एक स्वच्छ और सुंदर राजधानी के रूप में विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान दिल्ली सरकार की व्यापक स्वच्छता पहल का हिस्सा है, जो 1 अगस्त से चल रही है। सूद ने अभियान के दौरान स्थानीय लोगों से अपील की कि वे दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाएं और कचरा अलग-अलग डिब्बों में डालने की आदत डालें। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूलों, आरडब्ल्यूए और सामुदायिक समूहों के साथ मिलकर इस अभियान को पूरे दिल्ली में फैलाएगी।

उन्होंने कहा कि यह स्वच्छता अभियान दिल्ली को एक स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, नागरिकों की भागीदारी सराहनीय रही।

दो भूतपूर्व अधिकारियों की जांच के सीबीआई को निर्देश

नई दिल्ली

राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई को एंट्रिक्स-देवास सौदे में कथित अनियमितताओं की गहराई से जांच करने का निर्देश दिया है। एंट्रिक्स-देवास सौदे में पूर्व अंतरिक्ष विभाग अधिकारियों एसके दास और आरजी नादादुर की भूमिका की जांच करने का आदेश दिया।

यह निर्देश वीना एस राव के 2020 के आवेदन पर आया, जिसमें उन्होंने सीबीआई जांच को अनुचित बताया।

चोरी के मोबाइल नेपाल-बांग्लादेश बेचने वाले जीजा साली गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण जिले की नेबसराय थाना पुलिस ने चोरी व झपटमारी के मोबाइल फोन को नेपाल व बांग्लादेश तस्करी करने वाले जीजा फैयाज और साली शहनाज उर्फ नजमा को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी के 82 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपियों ने खुलासा किया है कि एक ही परिवार और रिश्तेदार मिलकर गिरोह को तीन साल से ज्यादा समय से चला रहे हैं।

चार मंजिला इमारत गिरी

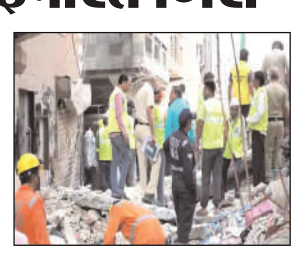

नई दिल्ली

उत्तरी जिले के सब्जी मंडी थाना इलाके में 200 गज में बनी एक चार मंजिला इमारत भरभरा कर गिर गई। इस घटना की जानकारी दमकल विभाग को सोमवार रात 3:05 बजे मिली। जिसके बाद बचाव टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। गनीमत रही कि जब यह हादसा हुआ, उस समय इमारत के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग के अनुसार घटना में इमारत के आसपास खड़ी कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। जानकारी के मुताबिक नगर निगम ने इस बिल्डिंग को पहले ही 'डेंजर' यानी खतरनाक घोषित किया हुआ था। इसके बावजूद, यह इमारत कई सालों से खड़ी थी। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इस बाबत लिखित शिकायत भी दी थी।

एनडीएमसी के स्कूलों में शिक्षा के साथ खेल में तराशे जाएंगे

नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने स्कूली बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बेहतर अवसर देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। परिषद ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत पेशेवर खेल कोचिंग शुरू करने का निर्णय लिया है। बच्चों को खेल की बारीकियों को जानने के लिए विशेष कोच नियुक्त किए जाएंगे।

13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का होगा आयोजन

जहां नोटिस और चालान का निपटारा आसानी और छूट के साथ वाहन चालक कर सकते हैं

नई दिल्ली

दिल्ली के वाहन चालकों के लिए एक बार फिर से सुनहरा अवसर आया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी ने मिलकर 13 सितंबर 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया है। जहां नोटिस और चालान का निपटारा आसानी और छूट के साथ वाहन चालक कर सकते हैं।

कहां-कहां लगेगी लोक अदालत, क्या होगा समय

नेशनल लोक अदालत दिल्ली के सात कोर्ट कॉम्प्लेक्स पटियाला हाउस, कड़कड़डूमा, तीस हजारी, राउज एवेन्यू, द्वारका, साकेत और रोहिणी लगेगी। जहां चालान सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक भर सकेंगे।

वाहन मालिकों को करना होगा ये काम

लोक अदालत के लिए वाहन मालिकों को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट से अपने बकाया चालान या नोटिस डाउनलोड करना होगा। यह सुविधा 8 सितंबर से शुरू हो चुकी है। जिसमें रोजाना अधिकतम 60 हजार चालान डाउनलोड किए जा सकते हैं। कुल 1,80,000 चालान लोक अदालत से पहले डाउनलोड हो सकेंगे।

एनसीवेब में स्पेशल ड्राइव के तहत जारी हुई कट ऑफ

नई दिल्ली

डीयू के नॉन कॉलेजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव के तहत सोमवार को कट ऑफ जारी की गई है। छात्राओं के पास यह अंतिम मौका है। इसके बाद सीटें भरने के लिए ड्राइव नहीं चलाई जाएगी। इस कट ऑफ में 9 से 10 सितंबर तक दाखिला लिया जा सकेगा। स्पेशल ड्राइव में वह छात्राएं ही दाखिले के योग्य होंगी जिन्हें पहली पांच कट ऑफ और एक स्पेशल कट ऑफ के बाद भी दाखिला नहीं मिला या वह किसी कारणवश दाखिला नहीं ले सकी। स्पेशल ड्राइव में के तहत किसी भी नई छात्रा को प्रवेश नहीं मिलेगा। इस कट ऑफ में पहले दाखिला पा चुकी छात्राएं कॉलेज सेंटर भी नहीं बदल सकती हैं। स्पेशल कट ऑफ के तहत कॉलेज से अनुमति मिलने के बाद फीस का भुगतान 12 सितंबर तक किया जा सकता है।

एनसीवेब की निदेशक प्रो. गीता

स्पेशल ड्राइव के तहत जारी कट ऑफ में सामान्य श्रेणी के लिए लगभग सीटें फुल हो गई है

भट्ट ने बताया कि 15,200 सीटों में से अब तक 11,600 सीटों पर दाखिले हो चुके हैं। इस तरह से करीब 3,500 हजार सीटें अब भी खाली हैं। इन्हें भरने के लिए यह कट ऑफ जारी की गई है। अब जो कट ऑफ जारी की गई है उनमें सामान्य से ज्यादा आरक्षित सीटों पर दाखिले की गुंजाइश है। उन्होंने बताया कि यह कट ऑफ पांचवीं कट ऑफ के समान ही है इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सामान्य श्रेणी की सीटें लगभग फुल, आरक्षित पर अभी भी मौका

स्पेशल ड्राइव के तहत जारी कट ऑफ में सामान्य श्रेणी के लिए लगभग सीटें फुल हो गई है लेकिन आरक्षित सीटों पर अभी भी मौका है। बीकॉम प्रोग्राम में सामान्य श्रेणी की छात्राओं के लिए 26 कॉलेज सेंटरों में से सात कॉलेज सेंटर पर दाखिला बंद हो गया है। वहीं, अन्य सेंटरों पर 40 से 45 फीसदी अंकों पर दाखिला हो जाएगा।

सात हजार सीटों पर मिले 21 हजार आवेदन, छात्रों के लिए आखिरी मौका

बारहवीं के अंकों के आधार पर ही कॉलेज सीट आवंटन का ऑफर कर रहे है

नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक प्रोग्राम की लगभग सात हजार सीटें खाली हैं। इन सीटों को भरने के लिए शुरू किए गए मॉप राउंड के तहत 21 हजार छात्रों ने दाखिला लेने के लिए आवेदन किया है। छात्रों के आवेदन के आधार पर कॉलेजों ने सीटों का ऑफर करना शुरू कर दिया है। कॉलेज 11 सितंबर तक ऑफर करेंगे। छात्रों के पास नियमित कॉलेजों में दाखिला लेने का यह अंतिम मौका है। बीते सप्ताह डीयू ने बची सीटों के लिए मॉप अप राउंड की घोषणा की थी। इसमें दाखिले के लिए सीयूईटी स्कोर की अनिवार्यता नहीं है। छात्रों का दाखिला उनके बारहवीं के अंकों के आधार पर होगा। बारहवीं के अंकों के आधार पर ही कॉलेज सीट आवंटन का ऑफर कर रहे हैं। इससे पहले चार सितंबर को डीयू ने खाली सीटों की जानकारी जारी की थी।

संपादकीय

विकास की रफ्तार और घटता रोजगार

देश के आर्थिक विकास का पैमाना कुछ इस तरह होना चाहिए, जिसमें सकल घरेलू उत्पादन में वृद्धि, आर्थिक समानता, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, गरीबी और भुखमरी में गिरावट, सामाजिक असमानताओं में कमी, रोजगार की उपलब्धता और प्रति व्यक्ति खुशहाली हो। एक समृद्ध लोकतंत्र में आर्थिक प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जहां व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य आर्थिक वृद्धि हो और समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास संभव हो। विकास का माडल ऐसा हो, जिसमें रोजगार के अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित हो सके तथा महंगाई की दर कम रहे। भारत की आर्थिक विकास दर लगातार बढ़ रही है। आने वाले तीन वर्षों में देश के पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बन जाने की उम्मीद की जा रही है। कहा जा रहा है कि वर्ष 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।

एशियाई विकास बैंक के मुताबिक, भारत की जीडीपी चालू वित्त वर्ष में 6.5 फीसद और 2026 में 6.7 फीसद की दर से बढ़ने की संभावना है। ऐसे में तेजी से आगे बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख पहलुओं पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। भारतीय व्यवस्था के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी, आर्थिक असमानता, घटते संसाधन और बढ़ती जनसंख्या है। एक तरफ कहा जा रहा है कि देश का आर्थिक विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है, दूसरी ओर बढ़ती बेरोजगारी दर चिंता का विषय बनी है

इस वक्त बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा है, जो देश के संपूर्ण विकास में अवरोधक है। उसी अर्थव्यवस्था को संतुलित माना जाता है, जिसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हों। संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। जुलाई 2015 से जून 2016 और अक्तूबर, 2022 से सितंबर, 2023 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र के 18 लाख असंगठित उद्यम बंद हो गए हैं। इस कारण करीब 54 लाख लोगों की नौकरियां चली गईं।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल कार्यबल तथा जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां युवाओं की आबादी अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा है। हाल में जारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रपट के मुताबिक, देश में पुरुषों में बेरोजगारी दर 5.6 फीसद, जबकि महिलाओं में 5.8 फीसद है। देश में 15-29 आयु वर्ग के युवाओं में इस वर्ष अप्रैल में बेरोजगारी 13.8 फीसद से बढ़कर मई में 15 फीसद हो गई। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल में 17.2 फीसद से बढ़कर मई में 17.9 फीसद हो गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अप्रैल के 12.3 फीसद की तुलना में मई में 13.7 फीसद थी।

हमारे यहां जनसंख्या और श्रमबल क्षमता अधिक होने के बावजूद आर्थिक असमानता भी अन्य देशों की तुलना में अधिक है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी के साथ ही आर्थिक असमानता विकास की राह बड़ी बाधक है। आक्सफैम 2024 की एक रपट में कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, पिछले कई वर्षों से भारत समेत विश्व में आर्थिक असमानता बढ़ रही है। यह आर्थिक तंत्र के लिए बहुत निराशाजनक और चिंताजनक बात है। आर्थिक असमानता के मामले में भारत के संदर्भ में कोई विशेष सुधार नहीं दिखाई देता है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत की कुल संपत्ति का चालीस फीसद हिस्सा देश के एक फीसद अमीर लोगों के पास है। वर्तमान में भारत के इक्कीस सबसे अमीर अरबपतियों के पास देश के सत्तर करोड़ लोगों से ज्यादा संपत्ति है। आधी आबादी के पास देश की कुल संपत्ति का केवल तीन फीसद है। यहां अरबपतियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में वर्ष 2020 में 102 अरबपति थे, 2022 में 166 और 2023 में यह आंकड़ा 200 के करीब पहुंच गया है। इस तरह की आर्थिक असमानता से गरीबी, बेरोजगारी एवं भुखमरी बढ़ती है और देश का सर्वांगीण विकास रुक जाता है। अगर भारत में बेरोजगारी के आंकड़ों पर गौर करें तो इसे दूर करने संबंधी प्रयास निराशाजनक नजर आते हैं। बेरोजगारी दर में उतार-चढ़ाव से देश के विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। इंडिया स्किल्स रपट-2025 के अनुसार, भारत में स्नातकों के बीच रोजगार योग्यता बढ़ कर 54.81 फीसद हो गई है। वहीं, नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की रपट से पता चलता है कि भारत में हर वर्ष पचास लाख युवा उच्च शिक्षा की ओर रुख करते जिनकी उम्र करीब उन्नीस-बीस वर्ष होती है। ये युवा अपनी स्नातक की पढ़ाई लगभग 24 वर्ष की उम्र तक पूरी कर लेते हैं। जबकि भारत में पच्चीस वर्ष से कम उम्र के युवाओं में स्नातक स्तर पर बयालीस फीसद बेरोजगार हैं। परास्नातक की पढ़ाई करने के बाद या जिनकी उम्र पच्चीस से उनतीस वर्ष के बीच है, उनमें बेरोजगारी 22.8 फीसद है। इसी तरह तीस से पैंतीस वर्ष उम्र के पढ़े-लिखे युवाओं में बेरोजगारी 9.8 फीसद है। इससे ऊपर की उम्र के शिक्षित लोगों में बेरोजगारी दर लगभग पांच फीसद है। देश में पिछले दस वर्षों में बेरोजगारी दर में लगातार वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2014 में यह 5.44 फीसद और 2020 में आठ फीसद थी। वर्ष 2023 के अक्तूबर में बेरोजगारी दर 10.1 फीसद पर पहुंच गई थी।भारत में श्रमबल की भागीदारी लगभग 46 फीसद है। देश में बढ़ती बेरोजगारी पर नजर डालें तो इसके कई कारण नजर आते हैं। इसमें जनसंख्या वृद्धि प्रमुख कारण है। कोविड महामारी से उत्पन्न आर्थिक दिक्कतें, व्यावसायिक कौशल की कमी, खराब शैक्षिक उपलब्धियां, कृषि क्षेत्र में कम उत्पादकता, विनिर्माण क्षेत्र में कम निवेश और अपर्याप्त ढांचागत विकास माध्यमिक क्षेत्र में नौकरी के अवसरों को सीमित करता है। भारत में आर्थिक विकास दर बढ़ी, उद्योगों से लाभ हुआ, संवेदी सूचकांक में उछाल भी आया, पर रोजगार के अवसरों में अपेक्षानुरूप बदलाव नहीं हुआ। सरकारी मुहिम मेक इन इंडिया के अंतर्गत विदेशी कंपनियां भारत में अपने उत्पाद बेचने के उद्देश्य से यहां उद्योग लगा रही पर ये युवाओं को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने में सफल साबित नहीं हो पा रही हैं।

डेंगू में प्लेटलेट्स कम होने के क्या लक्षण दिखते हैं? एक्सपर्ट्स से जानें

मानसून के मौसम में तरह-तरह की बीमारियां फैलती हैं. जिसमें से सबसेगंभीर बीमारी है डेंगू की. डेंगू में तेज बुखार होता है. एडीज मच्छर के काटने से डेंगू की बीमारी फैलती है. इसके लक्षण आमतौर पर फ्लू जैसे होते हैं लेकिन गंभीर स्थिति में ये रक्तस्राव वाले बुखार में बदल जाता है, जो जानलेवा भी हो सकता है. डेंगू बुखार में एक और समस्या आती है प्लेटलेट्स के कम होने की. ये क्यों होती है और इसकी कमी के लक्षण क्या है

आरएमएल हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग में डॉ. सुभाष गिरी बताते हैं कि प्लेटलेट्स खून के जमने में मदद करता है. जब प्लेटलेट्स की संख्या सामान्य से कम हो जाती है तो शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाई देते है. एक्सपर्ट के मुताबिक अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो जानलेवा स्थिति हो जाती है. डेंगू का मच्छर सीधे अस्थि मज्जा की गति को धीमा कर देता है, जो प्लेटलेट्स बनाते हैं. इसी कारण से डेंगू बुखार के 3 से 4 दिन बाद प्लेटलेट्स की संख्या कम होने लगती है.

बार-बार नाक या मसूड़ों से खून आना

डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या कम होने पर खून जमना बंद हो जाता है. जिस कारण से मरीज को नाक से खून आना, मसूड़ों से खून बहना या मामूली चोट लगने पर भी देर तक खून बहने जैसी समस्या हो जाती है.

शरीर पर लाल या बैंगनी धब्बे

जब शरीर में डेंगू के कारण प्लेटलेट्स की संख्या कम हो जाती है तब स्किन पर छोटे-छोटे लाल और बैंगनी रंग के धब्बे बनते लगते हैं. खून जमने की क्षमता कम हो जाने पर खून की नसें फट जाती है जिन्हें capillaries कहते हैं.

पितृपक्ष : पांच ग्रास और प्राणियों के निमित्त संदेश

रमेश शर्मा

पूरे संसार में अपने पूर्वजों के स्मरण करने और श्रृद्धांजलि अर्पित करने की परंपरा है। लेकिन भारत में अपने पूर्वजों के स्मरण की यह पितृपक्ष की अवधि व्यक्तित्व निर्माण, कुटुम्ब महत्ता और प्रकृति से समन्वय की अद्भुत अवधि है। वस्तुतः भारतीय और पश्चिमी चिंतन में एक आधारभूत अंतर है। पश्चिमी चिंतन केवल वा जगत अर्थात भौतिक सृष्टि तक सीमित है जबकि भारतीय चिंतन लौकिक से अधिक अलौकिक सृष्टि तक व्यापक है। विकास के लिये जितना जोर वा शक्ति और साधनों पर दिया जाता है उससे अधिक आंतरिक ऊर्जा के संचार पर दिया जाता है। इसे हम सनातन परंपरा के सभी सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक समागमों से समझ सकते हैं और यही विशेषता पूर्वजों के स्मरण के लिये पितृपक्ष के इन दिनों की है। सूर्योदय से सूर्यास्त तक की पूरी दिनचर्या आंतरिक ऊर्जा जाग्रत करने और आरोग्य शक्ति अर्जित करने की अद्भुत प्रक्रिया है। जबकि इसके कर्मकांड कुटुम्ब समन्वय और प्रकृति से समन्वय बनाकर पर्यावरण संरक्षण के निमित्त हैं। पितृपक्ष की दिनचर्या पर चर्चा करने से पहले इन तीन बिन्दुओं को समझना आवश्यक है । पहली व्यक्ति के अवचेतन की शक्ति, दूसरी आंतरिक ऊर्जा और तीसरी कुटुम्बिक शक्ति एवं ऊर्जा। आंतरिक ऊर्जा और अवचेतन की शक्ति जाग्रत करने के लिये एकाग्रता चाहिए। ऐसी एकाग्रता जिसमें मन के साथ सभी ज्ञानेन्द्रियाँ और कर्मेन्द्रियों संयुक्त हों।

इसके लिये पितृपक्ष में ब्रह्म मुहूर्त में उठना, सूर्योदय से पूर्व नदी या सरोवर पर स्नान करके सूर्य को जल अर्पित करने का विधान बनाया गया। घर से नदी या सरोवर जाने में दिवंगत पूर्वजों का स्मरण रहता है। इससे चित्त में एकाग्रता आती है। स्नान करके लौटने में सबका स्मरण बना रहता है। इतनी देर किसी सकारात्मक विचार की एकाग्रता से आत्मशक्ति जाग्रत होती है। यही आत्मशक्ति व्यक्ति पराक्रम और पुरुषार्थ में गुणवत्ता प्रदान करती है। घर आकर पूजन हवन और पाँच ग्रास निकालना मनोवैज्ञानिक रूप से व्यक्ति, परिवार और प्रकृति से समन्वय का साधन है। इन पांच ग्रास में मछली, चींटी, कौआ, गाय और कुत्ता होते हैं। अर्थात जलचर, थलचर और नभचर तीनों प्रकार के जीवों के संरक्षण का संदेश है।

पितृपक्ष या पितरों की महत्ता का उल्लेख सभी पुराणों में है । श्रीमद्भागवत की रचना ही पूर्वजों की मुक्ति केलिये मानी जाती है। विस्तृत वर्णन गरुण पुराण में है। पितृपक्ष में दिवंगत कुटुम्बजनों का स्मरण करने को श्राद्ध कहा जाता है। "श्रृद्धा" की केन्द्रीभूत चेतना को श्राद्ध कहा जाता है।सबसे पहले पूर्वजों के प्रतीक के रूप में जौं के आटे का एक छोटा पिण्ड बनाया जाता है। पिण्ड स्थापित करके पितृ गायत्री मंत्र के साथ 108 बार जल अर्पित किया जाता है। पूजन-अर्पण के बाद इस पिण्ड को पीपल के नीचे रखकर अर्पित किये गये जल को किसी बहते जल स्त्रोत में प्रवाहित कर दिया जाता है । फिर कमसे कम एक "अभ्यागत" अर्थात आमंत्रित अतिथि को भोजन कराने का विधान हैं। यह माना जाता है कि हमारे परिवार जन भले हमारे बीच से विदा हो गये हैं पर उनकी ऊर्जा अवश्य परिवार में रहती है।

पांच ग्रास निकालने का महत्व

इसमें पूजन हवन विधि के बाद महत्वपूर्ण है पांच अलग-अलग प्राणियों के लिये ग्रास निकालना । इनमें गाय, कुत्ता, मछली, चींटी और कौआ हैं। पितरों के संदर्भ इन पांच प्राणियों का जो महत्व पुराणों में वर्णित है उससे अलग इनका समाज और व्यक्तित्व निर्माण से गहरा संबंध है । पितृपक्ष में ग्रास निकालने की परंपरा बनाकर इनका समाज से अटूट रिश्ता बनाने का प्रयास किया गया है। सबसे पहले गाय की महत्ता को देखिये। गाय का दूध हृदयरोग, मधुमेह, कैंसर उपचार में उपयोगी है। गाय का गोबर कृषि के लिये उपयोगी है। गौमूत्र से औषधि तैयार होती है। गाय की श्वांस से हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट होते हैं। इसीलिये भारत के विभिन्न तीज त्योहारों में अलग-अलग माध्यम से गाय को जोड़ा गया और महत्व को स्थापित किया गया है। गाय व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिये तो उपयोगी है ही साथ ही परिवार और समाज की अर्थव्यवस्था में भी बहुत उपयोगी है। इसके साथ गाय के जीवन से व्यक्ति और समाज को सर्व उपयोगी होने और सेवाभाव में जीने का संदेश भी मिलता है । गाय सबसे सरल, सहज और सेवाभावी जीव है। तभी सरल सज्जन और सहनशीलता के लिये गाय का उदाहरण दिया जाता है ।

दूसरा ग्रास कुत्ते के लिये निकाला जाता है। कुत्ता जैसा स्वामी भक्त जीव दूसरा नहीं होता। वह कभी भी पीठ नहीं दिखाता, यदि रणनीति के अंतर्गत वह पीछे हटता है तब भी भौंकता रहता है और अवसर मिलते ही पलटकर हमला करता है। अपने प्राण देकर भी स्वामी की रक्षा करता है। उसकी सूंघने की शक्ति अद्भुत होती है। वह नींद में भी जागरुक रहता है। इसीलिए दत्तात्रेय जी ने कुत्ते को एक आदर्श प्राणी बताया समाज से सदैव सीखने का आव्हान किया। भारतीय मनीषियों ने भी विभिन्न कथाओं के माध्यम से कुत्ते के महत्व को समझाया। धर्मराज युधिष्ठिर के साथ कुत्ते की स्वर्गारोहण यात्रा सुप्रसिद्ध है । यहां भी पितरों की सेवा को साक्षी बनाकर कुत्ते से परिवार और समाज को जोड़ा गया है ।

पितृपक्ष एवं श्राद्ध में तीसरा ग्रास मछली के लिये निकाला जाता है तथा नदी तालाब में जाकर डाला जाता है। जल किसी भी प्राणी के जीवन का आधार होता है जल की कमी हो या जल अशुद्ध हो तो जीवन संकट में पड़ जाता है और जल का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत नदी और सरोवर होते हैं। जहाँ मछलियाँ रहतीं हैं। नदी सरोवर या कुँए के जल को शुद्ध रखने का काम मछली करती है । नदी तालाबों में जल को प्रदूषित करने वाले कीटों को मछली अपना आहार बना लेती है । लगता है कि प्रकृति ने जल शुद्धिकरण केलिये ही मछली को बनाया है। अज्ञानता में मनुष्य मछली का कोई अहित न करे इसलिये पितृपक्ष के माध्यम से मछली के संरक्षण को महत्व दिया गया। अलग-अलग पुराण कथाओं में मछली के महत्व को समझाया गया है। मछली के रूप में नारायण के अवतार की कथा भी है। मछली के महत्व को समाज भूले नहीं इसलिये पितृ पूजन से भी मछली को जोड़ा गया। आज भी भारतीय वाड्मय के जानकार लोग मछलियों को दाना डालने जाते हैं।

चौथा ग्रास चींटी के लिये निकाला जाता है। पितृपक्ष में चींटी को भी समाज से जोड़ा गया । आधुनिक विज्ञान के शोध के अनुसार चींटी धरती के पुनर्चक्र को सक्रिय करने में सबसे महत्वपूर्ण होती है। धरती का यह पुर्नचक्र ही धरती के पोषक तत्वों को पुनर्जीवित करता है। इसी से प्राणियों के जीवन श्रृंखला को निरंतर रहती है। समाज चींटी का संरक्षण करे, इसके लिये विभिन्न कथाओं के माध्यम से समाज को जागरुक किया गया और पितृपूजन से भी जोड़ा। चींटी की सूंघने की शक्ति अद्भुत है । चींटियों में सामाजिक अनुशासन भी है । वे श्रृंखला बद्ध होकर चलतीं हैं। कभी कतार नहीं तोडतीं। कतार को अनुशासित करने केलिये एक टीम चलती है। भोजन खोजने वाली टीम अलग होती है और भोजन ढोकर लाने वाली भी टीम अलग होती है। चीटियों में सामाजिक एकत्व और संगठनात्मक अनुशासन अद्भुत होता है। चींटी से यह संदेश भी है कि भले हमारा अस्तित्व कितना ही लघुतम हो किन्तु मनोबल ऐसा होना चाहिए कि हाथी समान विशालकाय जीव भी भयभीत रहे और संकट आने पर हाथी को भी धराशाई किया जा सके।

पितृपक्ष में पांचवां ग्रास कौए के लिये निकाला जाता है। कौए की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी जीवन शैली सर्वाधिक आत्म अनुशासित है इसीलिए यह सबसे कम बीमार होता है, यह भोजन को देखकर उसमें अशुद्धता भांप लेता है और हानिकारक होने का आभास होते ही ग्रहण नहीं करता। यह भूख से तो मर जाता है पर बीमारी से कभी नहीं मरता। कौए को कभी थकान नहीं होती। कौआ उन विरले प्राणियों में से एक है जो नर और मादा दोनों एक ही आकार के होते हैं। कौये समूह बनाकर रहते हैं। यदि एक साथी कौए को कुछ हो जाये तो दूसरा कौआ साथी भोजन ग्रहण नहीं करता। इसकी समझ और देखने की सामर्थ्य भी बहुत तीखी होती है । पौराणिक महत्व के अतिरिक्त कौए को समाज से जोड़ने का संदेश यही है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति कुशाग्र हो, दूरदृष्ट हो, समाज संगठित हो।

भारतीय वाड्मय में समाज जीवन में अच्छे व्यवहार की सीख देने वाली अनेक कथाएं हैं पर समाज व्यवहारिक रूप से भी अपने प्रेरणादायकों से जुड़ा रहे। इसलिये पितृपक्ष में इन प्रतीकों के माध्यम से समाज को जाग्रत करने का कर्मकांड निर्धारित किया गया है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

जनता बीमार, प्रशासन लाचार : डेंगू का वार

डॉ. सत्यवान सौरभ

डेंगू का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर बैठ जाता है। हर साल मानसून के बाद बरसात के दिनों में जब मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है, तो डेंगू के मामले तेजी से सामने आने लगते हैं। बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और प्लेटलेट्स की कमी से पीड़ित मरीजों की संख्या अस्पतालों में बढ़ने लगती है। सरकारें हर वर्ष दावा करती हैं कि मच्छरों की रोकथाम और फॉगिंग के इंतजाम पूरे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट होती है। हाल ही में सामने आई रिपोर्ट ने हरियाणा के स्वास्थ्य तंत्र और स्थानीय निकायों की तैयारियों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। प्रदेश के 87 नगर निकायों में डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों से निपटने के लिए मात्र 426 फॉगिंग मशीनें ही उपलब्ध हैं। यानी लगभग हर निकाय के हिस्से में औसतन पाँच मशीनें भी नहीं आतीं। जबकि स्थिति यह है कि एक मध्यम आकार के शहर में ही डेंगू पर काबू पाने के लिए 20झ25 मशीनें आवश्यक मानी जाती हैं। ऐसे में पूरे प्रदेश के स्तर पर मशीनों की यह कमी सीधा संदेश देती है कि प्रशासनिक लापरवाही किस हद तक हावी है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जिसका सीधा इलाज एंटीबायोटिक दवाइयों से संभव नहीं है। यह मच्छरों से फैलने वाला वायरल संक्रमण है और रोगी के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर ही उपचार टिका होता है। अधिकतर मामलों में डेंगू का वायरस शरीर की प्लेटलेट्स तेजी से घटा देता है। समय पर इलाज न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा हो सकती है। भारत में हर साल लाखों लोग डेंगू से प्रभावित होते हैं और हजारों मौतें भी होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी डेंगू को दुनिया के सबसे तेजी से फैलने वाले वायरल रोगों में गिनता है। इसलिए रोकथाम ही सबसे बड़ा हथियार है। मच्छरों को पनपने से रोकना, जलभराव हटाना और समय-समय पर फॉगिंग करना – यही डेंगू पर नियंत्रण के सबसे कारगर उपाय हैं। लेकिन जब यही इंतजाम कमजोर पड़ जाएं, तो बीमारी का फैलाव तेजी से होता है।

हरियाणा के नगर निकायों के पास फॉगिंग मशीनों की संख्या न सिर्फ कम है बल्कि जिन मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, उनमें से कई पुराने और खराब हालत में हैं। यह स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति राज्य सरकार और निकायों की उदासीनता को उजागर करती है। फॉगिंग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि यह मच्छरों के जीवन चक्र को तोड़ती है। मच्छर के अंडे से निकलने और उनके वयस्क होने की प्रक्रिया पर फॉगिंग सीधा असर डालती है। यदि यह नियमित अंतराल पर हो तो मच्छरों की संख्या तेजी से कम हो सकती है। लेकिन जब मशीनें ही उपलब्ध न हों, तो फॉगिंग का अभियान केवल कागजों में रह जाता है।

समन्वय बैठक : शक्तिसंपन्न भारत की राह और संघ का संकल्प

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

राष्ट्र जीवन की संघत्व धारा अपने शताब्दी मोड़ की ओर बढ़ रही है। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ठीक उस पथ पर खड़ा है, जहां से अब कुछ ही दिनों बाद उसकी शताब्दी वर्ष की एक नई यात्रा आरंभ हो रही है। वस्तुतः यह संगठन केवल शाखाओं में खेलते बच्चों या गणवेशधारी स्वयंसेवकों तक सीमित नहीं है, आज यह इससे कहीं आगे भारतीय समाज की आत्मा, संस्कृति और चेतना को जागृत करने वाली जीवंत धारा के रूप में दिखाई देता है।

जब जोधपुर में 5 से 7 सितंबर तक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक संपन्न हुई, तो वहां का वातावरण केवल संगठनात्मक विमर्श तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसमें भविष्य का भारत गढ़ने का उत्साह और ऊर्जा भी साफ महसूस की जा सकती थी। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए इस बैठक का आरंभ किया था, जिसके बाद विविन्न सत्रों में देश भर से आए हुए प्रमुख संघ प्रेरित 32 संगठनों के 320 पदाधिकारी तथा महिला कार्यों का समन्वय देखने वाली कार्यकताओं को अन्य संघ पदाधिकारियों का पाथेय एवं विमर्श के सूत्र मिले।

सतत तीन दिवस चली इस बैठक के पश्चात जब पत्रकारों के बीच संगठन के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर द्वारा विचार साझा किए गए तो उन तमाम विचारों

से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की योजनाएँ इस तथ्य की पुष्टि करती हैं कि संघ का दृष्टिकोण आज कितना व्यापक, सकारात्मक और राष्ट्रनिर्माणकारी है। शिक्षा, समाज, संस्कृति, परिवार, पर्यावरण, महिला शक्ति, जनजातीय समाज और राष्ट्रीय एकता इन सभी पहलुओं पर संघ ने इस बैठक में गहन विचार किया है। निष्कर्ष रूप में उसका लक्ष्य केवल अपने संगठन को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि भारत को हर क्षेत्र में शक्तिशाली बनाना है।

बैठक में सबसे प्रमुख विषय शिक्षा रहा। यह सर्वविदित है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था में होती है। यदि शिक्षा सही दिशा में प्रवाहित हो तो वह समाज में आत्मविश्वास, राष्ट्रनिष्ठा और संस्कारों का संचार करती है। संघ ने शिक्षा क्षेत्र को अपने एजेंडे का केंद्र बनाकर यह स्पष्ट किया कि आने वाले भारत की नींव मजबूत करने का उसका पहला प्रयास शिक्षा सुधार ही है। विद्या भारती, भारतीय शिक्षण मंडल, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से जुड़े अनुभव प्रस्तुत किए।

मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिक से उच्च स्तर तक प्रोत्साहित करने की पहल को विशेष महत्व दिया गया, क्योंकि मातृभाषा ही वह माध्यम है जो बच्चे के मन और मस्तिष्क को सहजता से जोड़ता है। भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास युवाओं में आत्मगौरव जगाने का साधन बनेगा। योग, आयुर्वेद, गणित, खगोल और दर्शन जैसे विषय केवल इतिहास की थाती नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की आवश्यकता हैं। इसी तरह पाठ्यपुस्तकों का पुनर्लेखन और शिक्षक प्रशिक्षण जैसे कदमों से शिक्षा व्यवस्था और अधिक जीवंत, प्रासंगिक और राष्ट्रीय मूल्यों के अनुरूप बनेगी। यह स्पष्ट है कि शिक्षा पर यह फोकस केवल आज की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की तैयारी है।

यहां समाज की चुनौतियों पर भी गंभीर विमर्श हुआ है। पंजाब में बढ़ते मतांतरण और युवाओं में नशाखोरी पर चिंता जताई गई। यह समस्या केवल धार्मिक या सामाजिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य की स्थिरता से जुड़ी हुई है। सेवा भारती और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियानों का उल्लेख इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी, रोहिंग्या घुसपैठ के कारण उत्पन्न सुरक्षा संकट और सामाजिक असंतुलन पर भी विचार हुआ। यह मुद्दा केवल सीमावर्ती इलाकों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश की शांति और स्थिरता से जुड़ा है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों में घटती हिंसा और बढ़ते विकास को सकारात्मक संकेत माना गया। मणिपुर में संवाद-आधारित शांति प्रयासों की सराहना की गई। इससे स्पष्ट है कि रास्वसंघ समस्याओं के समाधान में संवाद और जनसहयोग को सबसे महत्वपूर्ण मानता है।

जनजातीय समाज और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर भी विस्तृत चर्चा यहां हुई है। जिसमें यही तथ्य प्रमुखता से उभरे कि भारत की शक्ति तभी पूर्ण मानी जाएगी जब सबसे वंचित और दूरस्थ समाज भी राष्ट्रीय धारा से जुड़ा हो। नक्सली हिंसा में कमी आई है, किंतु गुमराह करने की कोशिशें अभी भी जारी हैं। संघ का मानना है कि शिक्षा, सेवा और संस्कार ही इस समस्या का स्थायी समाधान हैं। वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा छात्रावासों और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से जनजातीय समाज तक राष्ट्रीय विचार और शिक्षा पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

पंजाब जल प्रलय : दुनिया के मददगारों को आज मदद की दरकार

भारत का ह्वअन्न भंडारह्व कहा जाने वाला देश की खाद्य आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य पंजाब इन दिनों जल प्रलय जैसे अति गंभीर संकट से जूझ रहा है। कुछ स्रोतों के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य भंडार में पंजाब लगभग 45% अनाज का योगदान करता है। इसमें देश के गेहूं उत्पादन में लगभग 22% और चावल उत्पादन में लगभग 12% का योगदान शामिल है। इसीलिए पंजाब देश की खाद्य आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके अलावा इसी पंजाब का किसान भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जरूरतमंदों की हर तरह की मदद करने के लिये पहली पंक्ति में खड़ा नजर आता है। चाहे वह युद्ध की विभीषिका से जूझने वाले लोग हों या भूकंप,सुनामी अथवा बाढ़ से प्रभावित लोग,शरणर्थियों की मदद करनी हो या कोरोना जैसे विश्वस्तरीय संकटकाल में लोगों को मुफ़्त भोजन व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराना हो, पंजाब की यह कौम हमेशा सबसे आगे खड़ी नजर आई है। न यह धर्म देखते हैं न देश, न सीमा न जाति या भाषा। इन्हें प्रत्येक मानव की पीड़ा अपनी पीड़ा महसूस होती है और यह कौम तन मन धन से एकजुट होकर मदद करने को खड़ी हो जाती है।

आज पूरे देश में न जाने कितने गुरुद्वारे दिन रत जरूरतमंदों को लंगर उपलब्ध कराते हैं। देश बार में स्वास्थ्य सम्बन्धी दर्जनों प्रयोगशालाएं व अस्पताल इनके सौजन्य से संचालित हो रहे हैं।

दुर्भाग्यवश आज हमारे देश का यही पंजाब प्राकृतिक प्रकोप से जूझ रहा है। इन दिनों जम्मू कश्मीर,हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल सहित केवल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से राज्य के सभी 23 जिले प्रभावित हैं। राज्य में अब तक दर्जनों लोगों की मौत या उनके लापता होने के समाचार हैं। इस जल प्रलय से पंजाब के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 2000 गांव जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के अनुसार बाढ़ ने लगभग 18 लाख हेक्टेयर खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। बासमती फसल को तो भारी नुक़सान हुआ है।

अभी तक 600 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकारी व अनेक गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रह है। हजारों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर या राहत शिविरों में पहुँचाया जा चुका है।

इसी दौरान शौर्य समर्पण व बलिदान की इस धरती से बड़े ही हृदय विदारक दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हजारों गायें भैंसें तेज बहाव में बहकर लापता हो गई हैं। पूरी पूरी डेयरियां जल प्रलय का शिकार हो गयी हैं। लोगों के खेतों में वर्तमान फसल तो बर्बाद हुई ही है परन्तु ऐसी संभावना भी है कि खेतों में रेत की मोटी परत बैठ जाने के चलते अनिश्चितकाल के लिये इन खेतों की अपनी उर्वरक क्षमता भी समाप्त हो जाएगी।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री शिनावात्रा को सालभर रहना होगा जेल में, उच्चतम न्यायालय का आदेश

एजेंसी

बैंकॉक (थाईलैंड)। थाईलैंड के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को देश प्रभावशाली पूर्व प्रधानमंत्री और अरबपति थाकसिन शिनावात्रा को एक साल की जेल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने पिछले साल थाकसिन के लंबे समय तक अस्पताल में रहने को गैरकानूनी करार दिया और उन्हें बैंकॉक रिमांड जेल में अपनी सजा काटने का आदेश दिया।सीएनएन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय थाकसिन 2001 से 2006 तक सैन्य तख्तापलट के दौरान अपदस्थ होने तक प्रधानमंत्री रहे। 15 साल के स्व निर्वासन के बाद 2023 में उन्होंने नाटकीय ढंग से थाईलैंड वापसी की। सत्ता में रहने के दौरान हितों के टकराव, सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के लिए उन्हें आठ साल जेल की सजा सुनाई गई। थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने थाकसिन की जेल की सजा घटाकर एक साल कर दी। इसके छह महीने बाद फरवरी 2024 में उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया। सजा के बावजूद थाकसिन ने कभी जेल की कोठरी में एक रात भी नहीं बिताई। सीने में जकड़न, उच्च रक्तचाप और ऑक्सीजन के निम्न स्तर की शिकायत के बाद उन्होंने बैंकॉक के पुलिस जनरल अस्पताल के एक आलीशान सुइट में अपनी सजा काटी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि थाकसिन का अस्पताल में बिताया गया समय सजा की अवधि में नहीं गिना जाएगा।

रूपर्ट मर्डोक परिवार में समझौता, लाचलन का रहेगा विशाल मीडिया साम्राज्य पर नियंत्रण

वाशिंगटन (अमेरिका)। रूपर्ट मर्डोक परिवार में उत्तराधिकार की लड़ाई थम गई है। परिवार के सदस्यों ने अदालत से हटकर समझौता कर लिया है। समझौते के अनुसार, परिवार के विशाल मीडिया साम्राज्य पर आने वाले दशकों तक रूपर्ट के रूढ़िवादी पुत्र लाचलन मर्डोक का नियंत्रण रहेगा। परिवार ने इसकी घोषणा की। इस समझौते में स्पष्ट किया गया है कि फॉक्स न्यूज, द न्यूयॉर्क पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल सहित साम्राज्य के विभिन्न मीडिया संस्थान का संचालन पिता रूपर्ट की मृत्यु के बाद लाचलन ही करेंगे। समझौते की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के अनुसार, इसका मूल्य 3.3 अरब डॉलर है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता रूपर्ट और लाचलन की परिवार के अपरिवर्तनीय ट्रस्ट की शर्तों को एकतरफा रूप से बदलने के बाद हुआ है। लाचलन के सबसे बड़े भाई-बहनों प्रू, लिज़ और जेम्स ने समझौते पर सहमति जताई है। शुरुआत में यह प्रयास अदालत में विफल रहा, लेकिन अंततः दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाया गया। इस समझौते से 94 वर्षीय रूपर्ट को वह सब कुछ मिल गया है जिसकी उन्हें लंबे समय से तलाश थी। अपने चुने हुए उत्तराधिकारी लैकलन के नेतृत्व में वह खुश नजर आ रहे हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, लैकलन के तीन सबसे बड़े भाई-बहनों को साम्राज्य में अपने सभी शेयरों के लिए 1.1 अरब डॉलर मिलेंगे।

हाउस ओवरसाइट कमेटी ने जेफरी एपस्टीन के अधिकांश दस्तावेज सार्वजनिक किए

वाशिंगटन (अमेरिका)। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने एक समन के जवाब में जेफरी एपस्टीन से जुड़े अधिकांश दस्तावेज (रिकॉर्ड) को सार्वजनिक कर दिया है। इसमें जेफरी एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर 2003 में प्रकाशित एक किताब की संपादित प्रति भी शामिल है। इस रिकॉर्ड के जुड़े वकीलों ने समिति को बताया कि उन्होंने किताब में शामिल महिलाओं और नाबालिगों के नाम और तस्वीरें इसलिए संपादित कीं ताकि एपस्टीन के किसी भी संभावित पीड़ित की पहचान न हो सके। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन के जन्मदिन पर लिखी गई किताब के कुछ हिस्सों को संपादित करके प्रकाशित किया गया है। इसमें कई अश्लील प्रविष्टियां हैं। इनकी विषय वस्तु डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर वाली एक किताब जैसी प्रतीत होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक नोट अरबपति और विक्टोरिया सीक्रेट की लंबे समय से प्रमुख रहीं लेस्ली वेक्सनर का था। उस नोट की रिपोर्ट सबसे पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने प्रकाशित की थी। इसमें एक भद्दा चित्र था। हस्ताक्षरकर्ता ने लिखा था, मैं तुम्हें वो दिलाना चाहता था जो तुम चाहती हो...। वेक्सनर ने अपने प्रवक्ता के माध्यम से इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गाजा में फिलीस्तीनियों के 'जनसंहार जैसी हत्या' पर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने की इजराइल की निंदा

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने सोमवार को इजराइल पर गाजा में फिलीस्तीनी नागरिकों के सामूहिक नरसंहार और जीवनरक्षक सहायता में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इजराइल को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के सामने जवाब देना होगा। मानवाधिकार परिषद (ह्यूमन राइट, काउंसिल) के 60वें सत्र को संबोधित करते हुए तुर्क ने चेतावनी दी कि इजराइली अधिकारियों की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे जनसंहारात्मक भाषा और फिलीस्तीनियों के अमानवीयकरण ने विश्व जनमत को झकझोर दिया है। तुर्क ने कहा, फिलीस्तीनी नागरिकों की सामूहिक हत्या, अवर्णनीय पीड़ा, ढांचागत तबाही, मानवीय सहायता में रुकावट, नागरिकों को भुखमरी की ओर धकेलना, पत्रकारों की हत्या और युद्ध अपराध पर युद्ध अपराध- ये सब अंतरात्मा को झकझोर देने वाले अपराध हैं।इजराइल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तुर्क तथ्यों की अनदेखी कर रहे हैं। जिनेवा में इजराइल के राजदूत डैनियल मेरोन ने बयान जारी कर कहा कि हाई कमिश्नर, इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार और नागरिकों की सुरक्षा के प्रयासों को नजरअंदाज कर निराधार आरोप फैला रहे हैं।

नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

नेपाल। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. कथित भ्रष्टाचार को लेकर काठमांडू में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन के विरोध में जारी । नेपाल में मंगलवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और पीएम केपी शर्मा ओली के निजी आवास पर प्रदर्शनकारियों ने आगजनी और तोड़फोड़ की है।इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा, कल गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले रमेश लेखक और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के घर आगजनी भी की है। मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल के एक अन्य मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया था।कृषि और पशुपालन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि हिंसा से देश की पीड़ा को देखते हुए वह अपने पद पर बने नहीं रह सकते थे। कृषि और

पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, हिंसा ने यह सवाल उठाया है कि क्या मौजूदा सरकार एक अधिनायकवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे पहले, नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेपाल की राजधानी काठमांडू और इसके बाहर हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान सरकार की हिंसक प्रतिक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। इस हिंसा में कम से कम 19 लोगों की जान गई। मंगलवार को भी काठमांडू के अलग-अलग हिस्सों से छिटपुट विरोध-प्रदर्शन की जानकारी सामने आई। इसके कारण स्थानीय प्रशासन ने लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाते हुए कर्फ्यू लगाया है। काठमांडू में गृह मंत्रालय के अधीन तीन जिला प्रशासन कार्यालयों (डीएओ) ने अलग-अलग नोटिस जारी करके कई स्थानों पर सुबह से कर्फ्यू लगा दिया, जिसमें शहर के प्रमुख एंट्री प्वाइंट शामिल हैं। काठमांडू डीएओ ने मंगलवार को राजधानी महानगरपालिका क्षेत्र में सुबह 8:30 बजे से अनिश्चितकाल तक के लिए कर्फ्यू लागू किया, जिसमें लोगों को आवाजाही, प्रदर्शन, सभाएं या धरने पर रोक है। कर्फ्यू के दौरान जरूरी सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, शव वाहन, स्वास्थ्यकर्मियों, पत्रकारों, पर्यटक वाहनों, हवाई यात्रियों और मानवाधिकार व राजनयिक मिशनों के वाहनों की आवाजाही की अनुमति होगी। इसी तरह, ललितपुर के जिला प्रशासनिक अधिकारी ने भी अलग-अलग संगठनों के प्रदर्शनों के बीच सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को प्रभावित करने वाली हिंसक गतिविधियों, दंगों या अशांति की संभावना का हवाला देते हुए जिले के विभिन्न स्थानों पर कर्फ्यू लगाया है।

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उत्तर कोरिया की छलांग, उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन का परीक्षण

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में छलांग लगाते हुए उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन मिसाइल इंजन का परीक्षण किया। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन परीक्षण के समय मौजूद रहे।

इस इंजन को देश के रक्षा अनुसंधान संस्थान ने विकसित किया है। इस इंजन का प्रयोग अगली पीढ़ी की मिसाइल ह्वासोंग-20 में किया जाएगा। द कोरिया टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया की सरकारी संवाद सेवा कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। किम ने तैयार किए जा रहे इंजन की प्रगति जानने के लिए हफ्ते भर पहले रक्षा अनुसंधान संस्थान (रासायनिक सामग्री अकादमी) का दौरा किया था। परीक्षण की सफलता के बाद किम ने कहा कि इंजन का विकास उत्तर कोरिया की परमाणु रणनीतिक शक्तियों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। इसे रक्षा प्रौद्योगिकी के हालिया आधुनिकीकरण में सबसे रणनीतिक सफलता कहा जा सकता है। केसीएनए के अनुसार यह इंजन परीक्षण अपनी तरह का नौवां और विकास प्रक्रिया का आखिरी है। अधिकारियों ने इसका अधिकतम थ्रस्ट 1,971 किलोन्यूटन बताया है। उत्तर कोरिया ने पिछले साल 31 अक्टूबर को ठोस ईंधन वाले ह्वासोंग-19 के साथ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया था।

प्रदर्शन के कारण काठमांडू में फिर से कर्फ्यू

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन के विरोध में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच सरकार पर संकट गहरा रहा है। मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल के एक अन्य मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया। कृषि और पशुपालन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि हिंसा से देश की पीड़ा को देखते हुए वह अपने पद पर बने नहीं रह सकते थे। कृषि और पशुधन विकास मंत्री रामनाथ अधिकारी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, ÷हिंसा ने यह सवाल उठाया है कि क्या मौजूदा सरकार एक अधिनायकवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इससे पहले, नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेपाल की राजधानी काठमांडू और इसके बाहर हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान सरकार की हिंसक प्रतिक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। इस हिंसा में कम से कम 19 लोगों की जान गई। मंगलवार को भी काठमांडू के अलग-अलग हिस्सों से छिटपुट विरोध-प्रदर्शन की जानकारी सामने आई। इसके कारण स्थानीय प्रशासन ने

लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाते हुए कर्फ्यू लगाया है। काठमांडू में गृह मंत्रालय के अधीन तीन जिला प्रशासन कार्यालयों (डीएओ) ने अलग-अलग नोटिस जारी करके कई स्थानों पर सुबह से कर्फ्यू लगा दिया, जिसमें शहर के प्रमुख एंट्री प्वाइंट शामिल हैं। काठमांडू डीएओ ने मंगलवार को राजधानी महानगरपालिका क्षेत्र में सुबह 8:30 बजे से अनिश्चितकाल तक के लिए कर्फ्यू लागू किया, जिसमें लोगों को आवाजाही, प्रदर्शन, सभाएं या धरने पर रोक है। कर्फ्यू के दौरान जरूरी सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, शव वाहन, स्वास्थ्यकर्मियों, पत्रकारों, पर्यटक वाहनों, हवाई यात्रियों और मानवाधिकार व राजनयिक मिशनों के वाहनों की आवाजाही की अनुमति होगी। इसी तरह, ललितपुर के जिला प्रशासनिक अधिकारी ने भी अलग-अलग संगठनों के प्रदर्शनों के बीच सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को प्रभावित करने वाली हिंसक गतिविधियों, दंगों या अशांति की संभावना का हवाला देते हुए जिले के विभिन्न स्थानों पर कर्फ्यू लगाया है।

मेक्सिको में मालगाड़ी और डबल डेकर बस में टक्कर, 10 लोगों की मौत, 41 घायल

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में एक मालगाड़ी और एक डबल डेकर बस के बीच हुई टक्कर कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस दो हिस्सों में बंट गई। यह दुर्घटना सुबह 7 बजे (ब्रिटिश समयानुसार दोपहर 2 बजे) से कुछ पहले राजधानी मेक्सिको सिटी से लगभग 80 मील (130 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में स्थित अटलाकोमुल्को शहर के एक औद्योगिक क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग पर हुई। स्काई न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने एक्स पर कहा कि अधिकारी अभी भी दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। राज्य अभियोजक कार्यालय ने कहा कि उसने जांच शुरू कर दी है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि सात महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हो गई और कुछ घायलों की हालत गंभीर है। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में यात्री बस की छत उखड़ी हुई दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्रॉसिंग के सीसीटीवी फुटेज जैसे दिखने वाले वीडियो में भारी ट्रैफिक के

बीच बस धीरे-धीरे रेल की पटरियों पर चलती हुई दिखाई दे रही है। तभी अचानक ट्रेन आ गई, जिसने बस को बीच से टक्कर मार दी और बस दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन की तेज गति से बस पलट गई। बस का अगला हिस्सा क्रॉसिंग के पास और पिछला हिस्सा पटरियों के दूसरी तरफ जाकर रुक गया। घटनास्थल से लगभग 100 गज दूर एक सर्विस स्टेशन पर काम करने वाले 33 वर्षीय मिगुएल सांचेज़ ने बताया कि उन्होंने क्रॉसिंग से पहले ट्रेन का हॉर्न बजते सुना। मेक्सिको की कैनेडियन पैसिफिक कैनसस सिटी ट्रेन लाइन ने दुर्घटना की पुष्टि की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कैलगरी स्थित इस कंपनी ने कहा कि उसके कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। कंपनी ने ड्राइवरों से रेलवे क्रॉसिंग पर संकेतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया। बस कंपनी हेराडुरा डी प्लाटा ने हादसे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सितंबर में प्रकाशित मेक्सिको की रेल परिवहन नियामक एजेंसी की नवीनतम रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले साल लेवल क्रॉसिंग पर 800 दुर्घटनाएं हुईं, जबकि 2020 में यह संख्या 602 थी। पिछले महीने गुआनाजुआतो राज्य में एक ट्रेन के कई वाहनों से टकराने से छह लोगों की मौत हो गई। 2019 में मध्य क्रेरेटारो राज्य में एक मालगाड़ी के पटरी पार कर रही एक यात्री बस को टक्कर मारने से नौ लोगों की मौत हो गई थी।

ईरानी विदेश मंत्री मिस्र में आईएईए प्रमुख से करेंगे मुलाकात, काहिरा ने की पुष्टि

एजेंसी

काहिरा। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि काहिरा में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के बीच एक बैठक होगी। दो महीने पहले तेहरान ने एजेंसी से दूरी बना ली थी। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बैठक मंगलवार को होगी, जिसकी एजेंसी ने घोषणा पहले ही कर दी थी, और इसका हिस्सा मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती भी बनेंगे।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने भी इसकी पुष्टि की है। बताया, ÷काहिरा की यात्रा के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक के साथ एक बैठक होगी जिसमें ईरान और एजेंसी के बीच बातचीत के लिए एक नए प्रोटोकॉल पर बातचीत पूरी की जाएगी। ईरान की आधिकारिक

समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बताया, ÷काहिरा की यात्रा के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक के साथ एक बैठक होगी जिसमें ईरान और एजेंसी के बीच बातचीत के लिए एक नए प्रोटोकॉल पर बातचीत पूरी की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माएल बाकेई ने कहा कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस सप्ताह ट्यूनीशिया और मिस्र की यात्रा करेंगे। बाकेई ने बताया कि ये यात्राएं ईरान की उस कोशिश का हिस्सा हैं जिसके तहत वो क्षेत्रीय और इस्लामी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। काहिरा में अपने प्रवास के दौरान, अराघची अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी से मुलाकात करेंगे ताकि ईरान और एजेंसी के बीच सहयोग के नए ढांचे पर चर्चा को अंतिम रूप दिया जा सके। बाकेई ने नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री अब्बास अराघची की यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के उच्च प्रतिनिधि काजा कल्लास के साथ हुई बैठक का जिक्र कर उसे बहुत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, ÷हम देशहित में अपनी मांगों को व्यक्त करने और तीन यूरोपीय देशों की ओर से स्नैपबैक मैकेनिज्म के दुरुपयोग से एजेंसी को अवगत कराना अपना दायित्व समझते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यूरोपीय देश टकराव के रुख के परिणामों को ठीक से समझकर अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाएगा।

पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में टीटीपी के आठ आतंकी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले की दत्ता खेल तहसील में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कुछ कमांडरों समेत आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि दो दर्जन से ज्यादा आतंकवादी अभी भी इलाके में छुपे हुए हैं और ग्रामीणों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह इलाका बेहद दुर्गम और अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच कई घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान दत्ता खेल गोलियों और विस्फोटों की आवाजों से गूंजता रहा। स्थानीय लोग अपने घरों में दुबके रहे और उन्हें खाने-पीने और अन्य जरूरी चीज़ों की कमी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि 30-35 आतंकवादी अभी भी अलग-अलग जगहों पर छुपे हुए हैं। आतंकवादी हवाई या ड्रोन हमलों से बचने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। मारे गए सभी टीटीपी के आतंकवादी हाफिज गुल बहादुर बद्री ग्रुप और जैश-ए-मेहदी कारवां के थे। मुठभेड़ में विस्फोटक विशेषज्ञ हमीदुल्लाह उर्फ ??गुड, ड्रोन और क्वाडकॉप्टर के जरिए विस्फोटक लगाने के लिए कुख्यात नूर मुहम्मद अफगान और 2009 से टीटीपी कमांडर उमर को मार गिराया गया है।

आतंकवादी हवाई या ड्रोन हमलों से बचने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।

अमेरिका में हिरासत में लिए गए अपने 300 नागरिकों को दक्षिण कोरिया चार्टर्ड विमान से स्वदेश लाएगा, विदेशमंत्री वाशिंगटन में

एजेंसी

सियोल (दक्षिण कोरिया)। अमेरिका में दक्षिणी जॉर्जिया के हुंडई-एलजी एनर्जी सॉल्यूशन बैटरी प्लांट से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के छापे में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक एक चार्टर्ड विमान से स्वदेश लौटेंगे। यही नहीं, दक्षिण कोरिया अपने शीर्ष राजनयिक को भी अमेरिका भेज रहा है। इसका मकसद आव्रजन छापे को लेकर बढ़ते असंतोष को ऐसे संकट में बदलने से रोकना है, जो उसके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी के साथ संबंधों को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है। द कोरिया टाइम्स अखबार और सीएनएन चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सियोल के अधिकारियों ने बताया कि विदेश मंत्री चो ह्यून सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए। इससे कुछ घंटे पहले सरकार ने घोषणा की कि पिछले गुरुवार को अमेरिका में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक अमेरिका के साथ बातचीत के बाद एक चार्टर्ड उड़ान से कोरिया लौटेंगे। कोरियन एयर ने मंगलवार को पुष्टि की कि एयरलाइन का एक बोइंग 747 विमान (बी 747-8द्ध चार्टर्ड उड़ान) सियोल के पास इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जॉर्जिया के हार्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना होगी। कोरियन एयर के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान बिना किसी यात्री के रवाना होगा और इसमें 368 लोगों के बैठने की क्षमता है। दक्षिण कोरिया के नागरिकों को बेड़ियों में जकड़कर हिरासत में ले जाने की तस्वीरें पूरे देश में व्यापक रूप से प्रसारित हुई हैं। इससे अमेरिका के प्रति देश में असंतोष पनप रहा है। इस प्रक्रिया में विदेशमंत्री की भूमिका क्या होगी, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार देश में इस बात को लेकर पनप रहे असंतोष को जल्द से जल्द नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। रूढ़िवादी विपक्षी पीपुल्स पावर पार्टी के प्रवक्ता सोंग इऑन-सियोग आमतौर पर अमेरिका के पक्ष में बोलते हैं मगर उन्होंने भी इस छापे को अभूतपूर्व कूटनीतिक आपदा कहा है । सियोग ने कहा, यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कूटनीतिक असंतोष को सबसे कड़े शब्दों में व्यक्त करना है। ली को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि यह कूटनीतिक विफलता कहां से शुरू हुई। दक्षिण कोरिया की प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता किम जे-योन ने इस छापेमारी को विश्वासघात बताया है। किम ने कहा कि ट्रंप को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का वादा करना चाहिए। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी आव्रजन छापे में हिरासत में लिए गए सैकड़ों कोरियाई कामगारों के लिए वह गहरी जिम्मेदारी महसूस करते हैं।

नेपाल में प्रदर्शनकारियों की मौत और हिंसक घटना पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

एजेंसी

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने नेपाल में प्रदर्शनकारियों की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए इस घटना की त्वरित और पारदर्शी जांच करने का आग्रह किया है।

ओएचसीएचआर प्रवक्ता रवीना शमदासानी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रदर्शनों के दौरान मौतों की खबरों से वह स्तब्ध है। बयान में कहा गया है, हम नेपाल में प्रदर्शनकारियों की मौत और हिंसक घटना की त्वरित और पारदर्शी जांच का आह्वान करते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार के प्रतिबंधों बाद युवाओं का यह विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने इस कदम को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला करार देते हुए इसकी निंदा की। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार, रिपोर्ट से पता चलता है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शन के दौरान अनावश्यक बल का उपयोग किया। शमदासानी ने कहा किबल प्रयोग, विशेष रूप से आग्नेयास्त्रों के प्रयोग में मौलिक अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हम अधिकारियों से शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों का सम्मान करने और उन्हें सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं। ओएचसीएचआर ने नेपाल सरकार को उसके अंतरराष्ट्रीय

मानवाधिकार दायित्वों की भी याद दिलाई है और सुरक्षा कर्मियों द्वारा बल प्रयोग में जवाबदेही का आह्वान किया है।

काठमांडू में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, ललितपुर में रात 12 तक प्रभावी

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने काठमांडू रिंग रोड क्षेत्र के भीतर अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है। यह आज सुबह साढ़े आठ बजे से प्रभावी हो गया है। मुख्य जिला अधिकारी छबिलाल रिजाल ने स्थानीय प्रशासन अधिनियम, 2028 की धारा 6ए के तहत सुबह कर्फ्यू लगाने का आदेश जारी किया। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह उपाय आवश्यक है। कर्फ्यू के दौरान सभा, जुलूस, प्रदर्शन, बैठक या किसी भी प्रकार के घेराव पर प्रतिबंध रहेगा। ललितपुर जिला प्रशासन कार्यालय ने ललितपुर महानगर के चुनिंदा क्षेत्रों में आज सुबह 7 बजे से रात 12:00 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। मुख्य जिला अधिकारी सुमन घिमिरे द्वारा जारी आदेश को शांति और सुरक्षा बनाए रखने और किसी भी संभावित गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थानीय प्रशासन ने यह आदेश लागू किया गया है। ललितपुर में मंत्री निवास, यूएमएल पार्टी हेडक्वार्टर, नेपाली कांग्रेस केंद्रीय कार्यालय सहित अन्य सरकारी भवनों के आसपास सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया है।

पाकिस्तानी आवाम कर रही त्राहिमाम, चीनी और रोटी की बढ़ी कीमतों से परेशान

एजेंसी

कराची। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान बाढ़ की चपेट में है। देश में कई टेरर आउटफिट्स नाक में दम किए हुए हैं और कुर्सी की लड़ाई में हुक्मरान आवाम को नजरअंदाज भी बड़े कायदे से कर रहे हैं। देश अब रोटी को मोहताज हो रहा है। पाकिस्तानी मीडिया इसकी तस्दीक कर रही है।हाल ही में देश में चीनी की कीमतों में उछाल ने लोगों को परेशान किया और पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में उपभोक्ताओं को अब आटे और रोटी की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि गेहूं और आटे की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पाकिस्तानी दैनिक डॉन के मुताबिक कराची में, तंदूर संचालकों ने विभिन्न प्रकार की रोटियों की कीमतों में करीब 2 रुपये प्रति पीस की वृद्धि की है। अनुमान है कि इसका मुख्य रूप से निम्न और मध्यम आय वर्ग (विशेष रूप से दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिक वर्ग) पर असर पड़ेगा, जो आमतौर पर स्थानीय भोजनालयों में खाना खाते हैं।

यह रिपोर्ट बताती है कि ब्रांडेड आटे की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है। कुछ मिल मालिकों ने पांच किलोग्राम के मैदे के बैग की कीमत 700 रुपये तक कर दी है, जो 1 अगस्त को 500 रुपए और 1 सितंबर को 600 रुपए थी। वो भी तब जब इस साल की शुरुआत में नई गेहूं की फसल आ गई थी। कालाबाजारी चरम पर है। खुदरा विक्रेताओं की रिपोर्ट है कि बड़े व्यापारी पुराने आटे के स्टॉक की बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कीमतों में वृद्धि से लाभ उठा रहे हैं। कुछ बाजार विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा गेहूं

संकट का पंजाब (पाकिस्तान) और अन्य क्षेत्रों में हाल ही में आई बाढ़ से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि नई गेहूं की फसल मार्च/अप्रैल में काटी गई थी। हालांकि, जमाखोरों, स्टॉकिस्टों और निवेशकों ने स्थिति का 'लाभ' उठाते हुए कीमतें बढ़ा दीं।

ऑल सिंध शीरमाल तंदूर रोटी एसोसिएशन के सदस्य सलमान मियां आराईन ने डॉन के हवाले से बताया कि तंदूर संचालक, जो पहले नान (वजन 180 ग्राम) 22 और 23 रुपये प्रति पीस बेचते थे, अब उनकी कीमत 25 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, चपाती की कीमत 2 रुपये बढ़कर 11-12 रुपये से बढ़कर 14-15 रुपये हो गई है।

वहीं चीनी का स्वाद भी बिगड़ गया है। इसकी कीमतें 180 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 200 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं और 16 किलोग्राम घी के टिन की कीमत हाल के महीनों में 6,500 रुपये से बढ़कर 7,900 रुपये हो गई है। पाक की इकोनॉमी हमेशा डगमग रही है। सियासतदां ऐशो आराम में डूबे रहते हैं, तो जनता खुद को समेटते हुए आगे बढ़ती है। इस देश की अर्थव्यवस्था बेलआउट पैकेज के सहारे वर्षों से चलती आ रही है। आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) (मई माह का डेटा) के मुताबिक, पाकिस्तान की जीडीपी 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी और अब इसका साइज करीब 373.08 बिलियन डॉलर है। राजनीतिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई और खराब विदेशी कर्ज हालात जैसे फैक्टर पाकिस्तान की इकोनॉमी पर बड़ा धब्बा हैं।

आखिरी घंटे की बिकवाली से शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक, ऊपरी स्तर से लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज दिन के कारोबार में अच्छी बढ़त हासिल करने के बाद आखिरी घंटे में हुई बिकवाली के कारण ऊपरी स्तर से नीचे फिसल गया। हालांकि, आखिरी वक्त में बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक मामूली तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। पहले सत्र में बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार की चाल को तेज कर दिया। हालांकि, आखिरी वक्त में हुई बिकवाली ने खरीदारों की कोशिशों को बेकार कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, पीएसयू बैंक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होते रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, आईटी, एफएमसीजी, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

बीएचईएल ने ईईपीसी इंडिया क्वालिटी पुरस्कार 2025 जीता

हरिद्वार। महारत्न संस्थान भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को पीएसयू श्रेणी में 'ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवार्ड्स 2025' के 5वें संस्करण में प्लेटिनम अवार्ड से आज सम्मानित किया

गया। भेल हरिद्वार इकाई के संचार एवं जनसंपर्क प्रमुख संजय पवार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार बीएचईएल के निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) एस.एम. रामनाथन ने आज केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से प्राप्त किया।

एयर इंडिया शुरू करेगी दिल्ली-जैसलमेर उड़ान

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया इस साल अक्टूबर में दिल्ली और जैसलमेर के बीच उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि 26 अक्टूबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक दोनों शहरों के बीच रोजाना दो सीधी उड़ानें होंगी। दिल्ली से पहली उड़ान सुबह 8:50 बजे और दूसरी दोपहर 2:20 बजे रवाना होगी। वापसी की उड़ानें सुबह 10:55 बजे और शाम 4:25 बजे उपलब्ध होंगी। कंपनी इस मार्ग पर एयरबस के ए320 विमानों का संचालन करेगी। उसने बताया कि मौसमी मांग को देखते हुये विंटर शिड्यूल में इस मार्ग पर उड़ान शुरू की जा रही है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि यह मौसमी सेवा सांस्कृतिक पर्यटन की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ देश की विरासत तक लोगों का पहुंचना आसान बनाने की एयर इंडिया की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि देश के दूसरे शहरों और यूरोप से आने वाले पर्यटकों को अब दिल्ली होकर जैसलमेर जाने के लिए आसान विकल्प मिलेगा।

आईटी कंपनियों में लिवाली से बढ़त में प्रमुख सूचकांक

मुंबई। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के ऊंचे आयात शुल्क लगाने के खिलाफ अदालतों के फैसलों से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में आईटी कंपनियों में जबरदस्त लिवाली रही और प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 342.39 अंक की तेजी के साथ 81,129.69 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह गत दिवस के मुकाबले 271.25 अंक (0.34 प्रतिशत) ऊपर 81.058.55 अंक पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 90.95 अंक चढ़कर 24,864.10 अंक पर खुला। यह खबर लिखे जाते समय 76.15 अंक यानी 0.31 फीसदी ऊपर 24,849.30 अंक पर था। अमेरिका की दो संघीय अदालतों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आपातकालीन प्रावधानों के तहत आयात शुल्क लगाने को अवैध करार दिया है। हालांकि राष्ट्रपति ने अदालतों के इस फैसले को पलटने के लिए कहा है।अमेरिका में आयात शुल्क हटने की उम्मीद में निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार खुलने के बाद आईटी कंपनियों में लिवाली की। सेंसेक्स में इंफोसिस के शेयर करीब चार प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहे थे। टेक महिंद्रा में दो प्रतिशत से ज्यादा की तेजी रही। टीसीएस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहे। इनके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एलएडंटी और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

स्टॉक मार्केट में अमंता हेल्थकेयर की मजबूत एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली । जेनरिक दवाएं और मेडिकल डिवाइसेज बनाने वाली कंपनी अमंता हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 126 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 134 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 135 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10-30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 138 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.25 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। अमंता हेल्थकेयर का 126 करोड़ रुपये का आईपीओ 1 से 3 सितंबर

के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 82.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 35.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 209.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 54.96 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले एक करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन का सेट अप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.63 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 10.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 2 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 276.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारत और इजरायल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इजरायल ने आर्थिक सहयोग को मजबूती देने के लिए एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते से दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा, ''भारत और इजरायल सरकार ने नई दिल्ली में आज एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं।'' इस समझौते पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक भारत और इजरायल के बीच नया समझौता निवेशकों को सुरक्षा और निश्चितता प्रदान करेगा और दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को और बढ़ाएगा। यह समझौता 1996 में हुए पुराने निवेश करार की जगह लेगा, जिसे 2017 में भारत की नई निवेश संधि नीति के तहत समाप्त कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि अप्रैल, 2000 से जून 2025 के दौरान भारत को इजरायल से 337.77 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ है। इस समझौते पर हस्ताक्षर इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं।

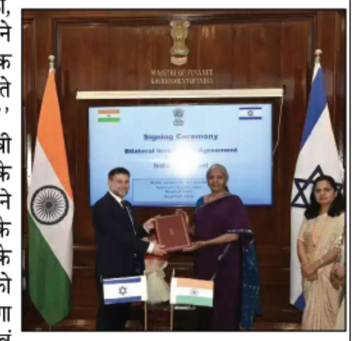

किआ मोटर ने भी वाहनों के दाम 4.48 लाख रुपये तक घटाये, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने अपने वाहनों के दाम में कटौती करने का ऐलान किया है। कंपनी ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के इरादे से अपने वाहनों की कीमतों में 48.50 हजार से लेकर 4.48 लाख रुपये से अधिक की कटौती की घोषणा की है। इसके साथ ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर और टीवीएस ने अपने वाहनों के दाम घटाये हैं। किआ इंडिया ने जारी एक बयान में कहा कि वह जीएसटी की दरों में की कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देने जा रही है। उसके वाहनों की संशोधित कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर, 2025 से लागू हो जाएंगी। कंपनी ने बताया कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के इरादे से वाहनों की कीमतों में 48.50 हजार से लेकर 4.48 लाख रुपये से अधिक की कटौती की गई है। किआ इंडिया ने कहा कि उसने कैरेंस मॉडल की

कीमत में 48,513 रुपये की कटौती की है, जबकि कार्निवाल मॉडल की कीमत में 4,48,542 रुपये की कटौती की गई है। इसके साथ वाहन निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने भी अपने वाहनों की कीमतों में 54,000 रुपये से लेकर 3.04 लाख रुपये तक की कटौती करने की घोषणा की। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि नई कीमतें सात सितंबर से ही प्रभावी हो गई है। इस बीच, दोपहिया वाहन क्षेत्र की टीवीएस मोटर कंपनी ने भी अपने सभी पेट्रोल वाहनों पर जीएसटी दरों में कटौती का लाभ 22 सितंबर से ग्राहकों तक पहुंचाने की घोषणा की है। हालांकि, कंपनी ने अलग-अलग मॉडल की कीमतों में की जाने वाली कटौती का पूरा ब्योरा साझा नहीं किया है।

ग्लास वॉल सिस्टम्स ने सेबी के समक्ष आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई स्थित ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 2 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस प्रस्ताव में 60 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और प्रमोटरों के 40.23 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। डीआरएचपी के अनुसार जवाहर हरिराम हेमराजानी, ईशान जवाहर हेमराजानी, अमित जवाहर हेमराजानी और विन्ने जवाहर हेमराजानी प्रमोटर बेचने वाले शेयरधारक हैं। शेयर बेचने वाले अन्य निवेशक इंडिया बिजनेस एक्सीलेंस फंड आईआईए और विस्तारा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड हैं। मुंबई स्थित ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड के इस

प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता आरक्षण भी शामिल है, कर्मचारी आरक्षण वाले हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। कंपनी इसके 60 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग 50 करोड़ रुपये की लागत से विले भागड़, महाराष्ट्र स्थित सुविधा में नियोजित बैकवर्ड इंटीग्रेशन के हिस्से के रूप में ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में प्रीमियम फेसेड समाधान और फेनेस्ट्रेशन प्रदाता कंपनी है। कंपनी वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व के मामले में भारत में फेसेड समाधान प्रदान करने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है।

स्टॉक मार्केट में गोयल कंस्ट्रक्शन की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

जेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी गोएल कंस्ट्रक्शन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही बढ़िया मुनाफा करा दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 263 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15.02 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 302.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इसकी चाल में और तेजी आ गई, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर 317.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 20.76 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। गोएल कंस्ट्रक्शन का 100.15 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 4 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के

लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 124.34 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 124.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.80 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 88.61 गुना और एंप्लॉयीज का हिस्सा 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 81.12 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 7,23,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 14.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 22.64 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 38.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

निसान ने टॉप मॉडल की कीमत एक लाख रुपये तक घटाई, नई कीमतें 22 सितंबर से होंगी लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी में कटौती का ऐलान होने के बाद निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अपने ग्राहकों को भी पूरा लाभ देने की घोषणा की है। कंपनी ने अपने सबसे पॉपुलर एसयूवी मैग्नाइट की कीमतों में 22 सितंबर से एक लाख रुपये तक की कटौती करने का एलान किया है। निसान मोटर इंडिया ने एक बयान में कहा कि ग्राहक देशभर में सभी अधिकृत निसान डीलरशिप पर नई कीमतों पर तुरंत बुकिंग शुरू कर सकते हैं। कंपनी ने बताया कि दरों में बदलाव के बाद नई निसान मैग्नाइट विसिया एमटी अब छह लाख रुपये से कम कीमत में उपलब्ध है। इससे भारत की सबसे सुरक्षित एवं किफायती बी-एसयूवी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। इसके साथ ही नई निसान मैग्नाइट एन-कनेक्ट सीवीटी और नई निसान मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन सीवीटी वैरिएंट्स की कीमत अब 10 लाख रुपये से कम होने का अनुमान है। निसान मोटर इंडिया ने कहा कि इससे आकर्षक कीमत पर एडवांस्ड फीचर्स एवं प्रीमियम की चाहत रखने वाले ग्राहकों को बेहतर मूल्य मिलेगा। कंपनी के इन वैरिएंट्स के अलावा टॉप एंड वैरिएंट्स, नई निसान मैग्नाइट सीवीटी टेक्ना और सीवीटी टेक्ना+ की कीमत में भी अब क्रमशः 97,300 रुपये और 1,00,400 रुपये की कमी आएगी। कंपनी के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती के साथ नई निसान मैग्नाइट के लिए सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट भी 3,000 रुपये की अतिरिक्त बचत के साथ 71,999 रुपये की ज्यादा आकर्षक कीमत में मिल सकेगी। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती का सीधे ग्राहकों को लाभ होगा।

सर्राफा बाजार में शिखर से फिसला सोना, चांदी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी ने आज 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाकर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। सोने की कीमत में आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,08,370 रुपये से लेकर 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल

पर बिक रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है।

सेबी की बोर्ड बैठक 12 को, कई अहम प्रस्तावों को मिल सकती है मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के बोर्ड की इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन होने वाली बैठक में कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। 12 सितंबर को होने वाली सेबी की इस बैठक में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने पर पूरा फोकस होगा। इसके साथ ही पहले से चर्चा में रहे कई प्रस्तावों को भी इस बैठक में स्वीकार किया जा सकता है। सेबी की बैठक में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आईएनवीआईटी) को इक्विटी का दर्जा देने के मुद्दे पर बोर्ड की बैठक में चर्चा की जा सकती है। बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और रियल स्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट में स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट के नियम को भी बोर्ड मंजूर कर सकता है। इसके साथ ही टर्नओवर के आधार पर रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन डिस्क्लोजर का नियम भी लाया जा सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के कामकाज का दायरा बढ़ाने के नियम को भी बोर्ड की बैठक में मंजूरी मिल सकती है। बताया जा रहा है कि बोर्ड की बैठक में स्टॉक ब्रोकर रेगुलेशन में बदलाव के प्रस्ताव को भी रखा जा सकता है। इसके साथ ही शुक्रवार होने वाली बैठक में रजिस्ट्रार एंड शेयर ट्रांसफर एजेंट रेगुलेशन की समीक्षा भी की जा सकती है। दावा किया जा रहा है कि बोर्ड की बैठक में बड़े आईपीओ में कम हिस्सेदारी बेचने पर छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। इसके अलावा आईपीओ में एंकर इन्वेस्टर्स की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार किया जा सकता है। ऐसा होने पर 250 से 500 करोड़ रुपये के इश्यू में एंकर इन्वेस्टर्स की संख्या बढ़ सकती है। कहा जा रहा है कि एंकर इन्वेस्टर्स की हिस्सेदारी मौजूदा 33 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक हो सकती है। एंकर इन्वेस्टर्स में इंश्योरेंस और पेंशन फंड्स के लिए भी 7 प्रतिशत का कोटा तय किया जा सकता है।

एचसीएल टेक ने अमिताभ कांत को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत को अपना स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा

की। कंपनी ने आज शेयर बाजार को बताया कि श्री कांत की नियुक्ति को निदेशकमंडल की मंजूरी मिल गयी है, और नामांकन तथा पारिश्रमिक समिति ने इसकी सिफारिश की है। उनकी नियुक्ति आज से प्रभावी हो गयी है और पांच वर्षों के लिए है। एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा ने कहा, ''हमें अमिताभ कांत के निदेशकमंडल में शामिल होने पर खुशी है।'' उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के निर्माण में श्री कांत का समृद्ध अनुभव कंपनी की विकास रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। श्री कांत नीति आयोग के सीईओ के अलावा जी20 में भारत के शेरपा भी रहे हैं।

जी-20 देशों में भारत की बेरोजगारी दर सबसे कम : मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अनुसार भारत की बेरोजगारी दर मात्र दो फीसदी रह गई है, जो जी-20 देशों में सबसे कम है।

मांडविया ने यहां श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और 'मेंटर टुगेदर' एवं 'क्विकर' के बीच राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर युवाओं की रोजगार क्षमता और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस समझौता ज्ञापन पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने विश्व आर्थिक मंच की 'रोजगारों के भविष्य की रिपोर्ट 2025' का हवाला देते हुए कहा कि भारत की बेरोजगारी दर 2 फीसदी है, जो जी-20 देशों में सबसे कम है। मंत्री ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है और प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएम- वीबीआरवाई) सहित कई योजनाओं ने इसमें योगदान दिया है।उन्होंने मंत्रालय और डिजिटल मंच 'मेंटर टुगेदर' तथा ऑनलाइन साइट 'क्विकर' के बीच समझौता के अवसर पर कहा कि इस एमओयू का मकसद राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर रोजगार के अवसरों के साथ ही युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाना है। मांडविया ने कहा कि इन

साझेदारियों की मदद से नौकरी चाहने वालों के लिए उचित मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार सृजन हुआ है, उन्होंने इस दिशा में योगदान देने वाली सरकारी योजनाओं का भी जिक्र किया। मांडविया ने कहा, लगभग 52 लाख पंजीकृत नियोक्ताओं, 5.79 करोड़ नौकरी चाहने वालों और 7.22 करोड़ से अधिक रिक्तियों के साथ राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) प्लेटफॉर्म अब न केवल नौकरी लिस्टिंग प्रदान करने के लिए, बल्कि सभी रोजगार-संबंधी सेवाओं के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में विकसित हो रहा है। वर्तमान में पोर्टल पर 44 लाख से अधिक सक्रिय रिक्तियां हैं। पिछले एक साल में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने अमेजन और स्विगी सहित दस प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन कंपनियों के साझेदारियों से अब तक लगभग पांच लाख रिक्तियां उपलब्ध हो चुकी हैं।

फरहाना भट्ट

और बसीर को लेकर 'बिग बॉस' के बाहर फैल रहा झूठ, टीम को देनी पड़ी सफाई

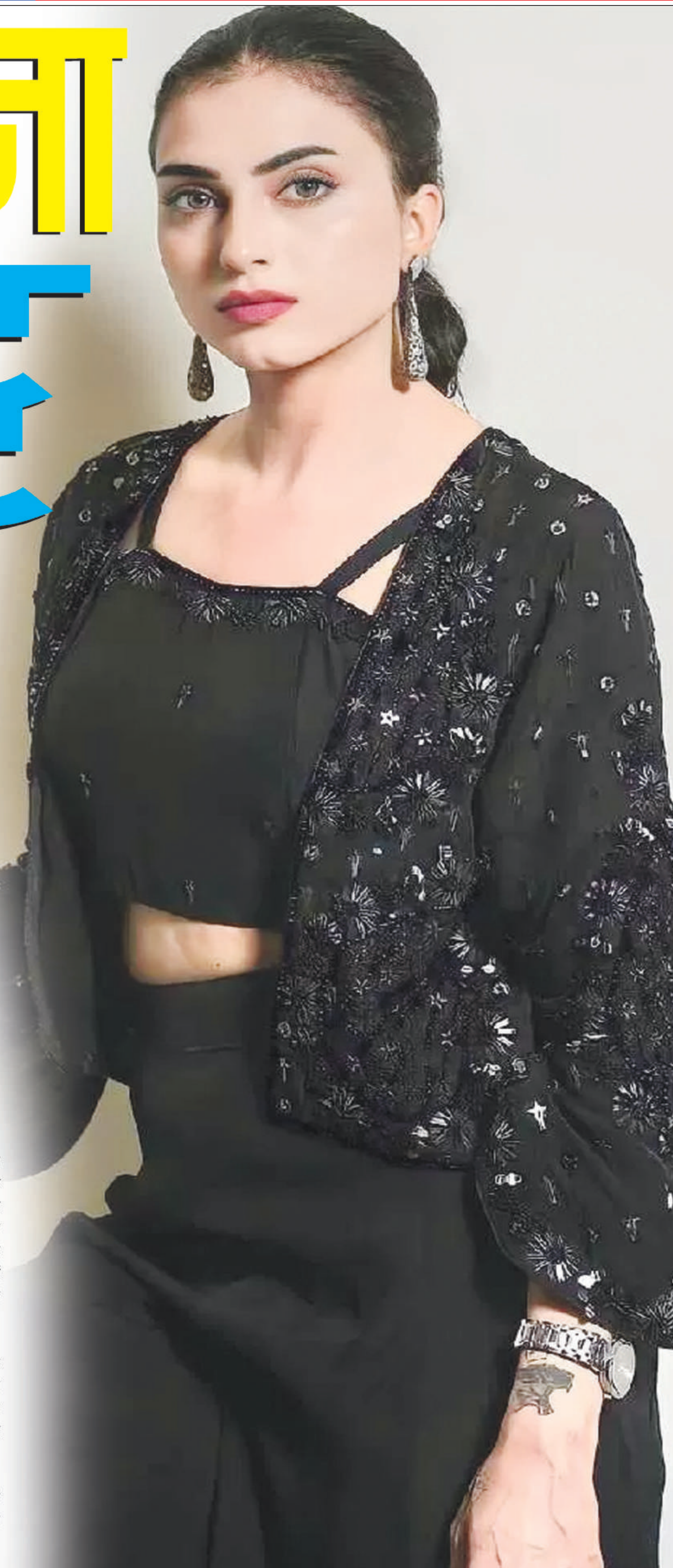

बसीर अली की टीम ने एक स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा है कि शो के बाहर बसीर और फरहाना के बारे में झूठ फैलाया जा रहा है. एक तरफ शो में दोनों के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिल रही है और दूसरे तरफ बसीर की टीम का बयान आया है.

'स्प्लिट्सविला 10' के विनर बसीर अली इन दिनों सलमान खान के टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' का हिस्सा हैं. उन्हें इस शो में लोगों का काफी प्यार मिल रहा है. शो में पहले फरहाना भट्ट के साथ उनकी जबरदस्त लड़ाई देखने को मिली, लेकिन बाद में दोनों के बीच दोस्ती हो गई. दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिल रहे हैं. घर में ऐसी बातें भी हो रही हैं कि दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे हैं. इसी बीच बसीर अली की टीम ने एक स्टेटमेंट जारी किया है.दरअसल, बसीर अली की टीम ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा है कि 'बिग बॉस' के घर के बाहर ऐसी बातें हो रही हैं कि दोनों शो में जाने से पहले से ही एक दूसरे को जानते हैं, लेकिन ये झूठ है. उनकी टीम ने सोशल मीडिया के जरिए ये बयान शेयर किया है. चलिए जानते हैं कि उनकी टीम ने और क्या कुछ कहा है.

दोनों के बीच कोई कनेक्शन नहीं

बसीर अली की टीम ने लिखा, बसीर और फरहाना के बारे में जो अफवाह फैल रही है हम उस बारे में बताना चाहेंगे. ये हमारी नजर में आया है कि कुछ लोग ऐसा दावा कर रहे हैं कि दोनों एक दूसरे को 'बिग बॉस' में जाने से पहले से जानते हैं. हम ये स्पष्ट करना चाहते हैं कि ये पूरी तरह से झूठ है. शो से पहले दोनों के बीच कोई भी कनेक्शन नहीं था. हम ये रिक्वेस्ट करना चाहेंगे कि ऐसी बेबुनियाद अफवाहें फैलाना और उसपर यकीन करना बंद कर दें.

बसीर अली 'बिग बॉस' के घर के कप्तान

बसीर 'बिग बॉस' की वजह से जबरदस्त छाए हुए हैं. उनका गेम लोगों को पसंद आ रहा है. शो में भी वो तमाम कंटेस्टेंट के बीच अपना पक्ष मजबूती के साथ रखते नजर आ रहे हैं. हाल ही 'बिग बॉस' ने शो में एक टास्क करवाया था, जिसमें बसीर ने जीत दर्ज की, जिसके बाद वो घर के कप्तान बने.

साल 2000 की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म, जिसे रानी मुखर्जी ने कर दिया था रिजेक्ट

रानी मुखर्जी की गिनती बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों के रूप में होती हैं. रानी मुखर्जी करीब 29 सालों से फिल्मी दुनिया में बतौर एक्ट्रेस काम कर रही हैं. करीब तीन दशक के करियर में उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में दीं और फैंस का कई बार दिल जीता. हाल ही में रानी को पहली बार नेशनल अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था. अपने करियर में उन्होंने कुछ ऐसे फैसले भी लिए है, जिन पर बाद में एक्ट्रेस को यकीनन पछतावा हुआ होगा.29 साल के एक्टिंग करियर में रानी की कई ऐसी फिल्में हैं जो काफी पसंद की गई हैं. वहीं रानी ने इस दौरान कई बड़ी फिल्मों को रिजेक्ट भी किया है. ऐसी ही एक फिल्म के बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं जो 25 साल पहले आई थी और उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड पिक्चर साबित हुई थी.

रानी ने रिजेक्ट की थी ये फिल्म

यूं तो रानी ने कई फिल्मों को रिजेक्ट किया है, हालांकि यहां जिस पिक्चर की बात हो रही है उसका नाम है 'मोहब्बतें'. ये फिल्म दर्शकों ने काफी पसंद की थी. बताया जाता है कि इसमें ऐश्वर्या राय ने जो रोल निभाया था वो पहले रानी को ऑफर किया गया था. हालांकि उनके इनकार के बाद फिल्म में ऐश्वर्या की एंट्री हुई. मोहब्बतें में ऐश्वर्या के अपोजिट लीड रोल में शाहरुख खान नजर आए थे.

कई सितारों से सजी थी फिल्म

फिल्म में 'सदी के महानायक' अमिताभ बच्चन ने भी लीड रोल प्ले किया था. उनके अलावा मोहब्बतें का हिस्सा शमिता शेट्टी, प्रीति झिंगियानी, जिम्मी शेरगिल, उदय चोपड़ा, जुगल हंसराज, किम शर्मा, अर्चना पूरन सिंह और अनुपम खेर जैसे कलाकार भी थे. मोहब्बतें का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था.

बनी थी साल की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म

मोहब्बतें एक मल्टीस्टारर फिल्म थी और ये दर्शकों का दिल जीतने में काफी कामयाब हुई थी. फिल्म ने सिनेमाघरों में 27 अक्टूबर 2000 को दस्तक दी थी. मेकर्स ने इसे 18 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया था. वहीं भारत में इसकी कमाई 42 करोड़ रुपये हुई थी. जबकि वर्ल्डवाइड ये 76 करोड़ रुपये कमाते हुए 'कहो ना प्यार है' के बाद साल की दूसरी सबसे कमाऊ बॉलीवुड फिल्म साबित हुई थी.

गोविंदा ने इस फिल्म में निभाए थे 6-6 किरदार, बॉक्स ऑफिस पर हुआ था ऐसा हाल

गोविंदा न सिर्फ 90 के दशक के बल्कि हिंदी सिनेमा के इतिहास के सबसे बेहतरीन अभिनेता में से एक माने जाते हैं. उनके जैसे एक्टर्स बॉलीवुड में बहुत कम ही हुए हैं. अभिनय के अलावा वो डांस और कॉमेडी में भी माहिर रहे हैं. गोविंदा ने अपने करियर में कई फिल्मों से टैलेंट की ऐसी छाप छोड़ी जो आज तक लोगों के दिलों में बसी हुई है. गोविंदा बड़े पर्दे पर अपने हर एक अंदाज से फैंस का दिल जीत लेते थे. कई फिल्मों में उन्होंने डबल रोल भी निभाए हैं. जबकि एक फिल्म में तो उन्होंने 6-6 किरदार किए थे. आइए जानते हैं कि गोविंदा की वो फिल्म कौन सी है और उसका बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल हुआ था ?

गोविंदा ने 80 के दशक के बीच में अपना करियर बतौर एक्टर शुरू किया था. वहीं 90 के दशक में तो बॉक्स ऑफिस पर उनकी तूती बोलती थी. उनकी एक्टिंग के अलावा फैंस उनके डांस पर भी अपना दिल हार जाते थे. करीब 6 फिल्मों में उन्होंने डबल रोल किए थे. जबकि एक पिक्चर में तो अभिनेता को दर्शक 6 किरदार में देखकर हैरान रह गए थे.

गोविंदा ने किस फिल्म में निभाए थे 6 किरदार ?

गोविंदा ने जिस फिल्म में 6 किरदार निभाए थे उसका नाम है 'हद कर दी आपने'. अभिनेता को 'आंखे' से लेकर 'बड़े मियां छोटे मियां' सहित 6 फिल्मों में दर्शकों ने डबल रोल में देखा था. हालांकि हद कर दी आपने में तो उन्होने हदें ही पार पर दी थीं.

साल 2000 में रिलीज हुई इस फिल्म में हीरो नंबर 1 अलग ही रंग में नजर आए थे.गोविंदा ने इस फिल्म में राज मल्होत्रा नाम का किरदार निभाया था. फिल्म में वो कभी दादा, कभी दादी तो कभी पिता के रोल में दिखाई दिए थे. वहीं उन्होंने कभी मां और बहन का किरदार भी निभाया था. मनोज अग्रवाल के डायरेक्शन में बनी ये पिक्चर म्यूजिकल कॉमेडी थी. जिसमें रानी मुखर्जी और जॉनी लीवर जैसे कलाकार भी नजर आए थे.

बॉक्स ऑफिस पर हुआ था ऐसा हाल

मेकर्स ने हद कर दी आपने को 7 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था और फिल्म ने 11.14 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. वहीं दुनियाभर से इस पिक्चर ने 19 करोड़ रुपये की कमाई की थी और फिल्म बॉक्स ऑफिस में सेमी हिट साबित हुई थी.

आलिया छोड़िए

शरवरी वाघ

बजाएगी बॉबी देओल की बैंड! 'जंग' से पहले अपनाई 'टाइगर'-'पठान' वाली स्ट्रेटजी

इस साल के बचे हुए महीनों में कुछ बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी. जिसमें से एक है ड्ढक्रस्न स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल स्पाई फिल्म. ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म 'अल्फा' की पहली झलक देखने को मिली. जहां बॉबी देओल एक बच्ची के साथ नजर आ रहे हैं. दरअसल 'वॉर 2' के पिटने के बाद अब आलिया भट्ट और शरवरी की फिल्म से ही पूरी उम्मीद है. इसी बीच शरवरी ने फिल्म को लेकर एक धांसू अपडेट दे दिया है. क्या वो आलिया भट्ट को पीछे छोड़ पाएंगी ?

हाल ही में शरवरी वाघ ने इब्राहिम के साथ रैंप वॉक किया. इस दौरान उन्होंने अपने डिजाइनर के साथ ही फिल्म को लेकर भी बात की है. दरअसल एक्ट्रेस लगातार कई बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. जिसमें से एक यह प्रोजेक्ट है. इसके लिए वो लंबे वक्त से तैयारियां कर रही हैं.

शरवरी वाघ देंगी आलिया भट्ट को टक्कर

शरवरी वाघ ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर जानकारी दी. वो बोलती दिखी कि- 25 दिसंबर को उनकी 'अल्फा' आ रही है. जिसके लिए काफी एक्साइटेड हैं. वो फिलहाल फिल्म के लिए तैयारियों में जुटी हैं. वहीं शिव रवैल के डायरेक्शन में बन रही फिल्म के लिए एक्ट्रेस इस वक्त ट्रेनिंग ले रही हैं. एक्शन शुरू करने से पहले उन्हें तगड़ी तैयारी करनी होगी. यूं तो कहा जा रहा है कि वो और आलिया भट्ट बराबर के रोल में होंगी. पर जिस तरह से शरवरी वाघ की तैयारियां हैं. उम्मीद है कि वो आलिया भट्ट से आगे निकल सकती हैं.दरअसल अगर शरवरी वाघ को टाइगर-पठान वाली राह में चलना है, तो अपने परफॉर्मेंस से सबको इम्प्रेस करना होगा. ड्ढक्रस्न स्पाई यूनिवर्स को टाइगर और पठान की वजह से जाना जाता है. कुछ और फिल्में भी आ चुकी हैं. पर क्योंकि यह पहली फीमेल स्पाई फिल्म है.

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला शातिर ठग गिरफ्तार

रोहिणी साइबर सेल (दिव्य दिल्ली)
रोहिणी जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक शातिर साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान कोलकाता निवासी साईसहाब दास के रूप में हुई है। यह आरोपी ह्यडिजिटल अरेस्टह्न का डर दिखाकर लोगों से ठगी करता था। डीसीपी रोहिणी राजीव रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि दिसंबर 2024 में रोहिणी की रहने वाली एक महिला जब अपनी मां से मिलने मुंबई गई थी, तब उसे एक अनजान कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि महिला का आधार कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उपयोग हुआ है। महिला को विश्वास दिलाने के लिए उस व्यक्ति ने उसकी चल-अचल संपत्ति, एफडी और पर्सनल डिटेल्स भी बताईं और कहा कि अगर वह गिरफ्तारी से बचना

चाहती है तो अपनी एफडी की रकम एक बताए गए अकाउंट में जमा कर दे।
डर और भ्रम में आकर महिला ने दिल्ली लौटकर लाखों रुपये आरोपी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। बाद में उसे ठगी का एहसास हुआ और उसने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई।
पुलिस ने जांच शुरू की, तकनीकी सर्विलांस और ट्रैकिंग टूल्स की मदद से पता चला कि इस ठगी को आरोपी ने नोएडा में रह रहे अपने एक साथी की मदद से अंजाम दिया था। मुख्य आरोपी साईसहाब दास वेस्ट बंगाल के नॉर्थ 24 परगना का रहने वाला है और अलग-अलग राज्यों में इसी तरह की ठगी करता रहा है। पुलिस टीम ने बंगाल में रेड डालकर उसे गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से वह मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है जिससे उसने महिला से संपर्क किया था।

रमेश मेडिकल एजेंसी: दवाइयों पर जीएसटी घटने से ग्राहकों को बड़ी राहत"

मनीषा
दिव्य दिल्ली : देश में 2017 में लागू हुआ वस्तु एवं सेवा कर (GST) आठ साल बाद एक बड़े सुधार से गुजरा है। बुधवार को हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया। अब पूरे सिस्टम में केवल दो ही टैक्स स्लैब रहेंगे - 5% और 18%। सरकार का कहना है कि इस कदम से टैक्स प्रक्रिया आसान होगी और कारोबारियों पर जटिलता का बोझ कम होगा। इसी बदलाव को लेकर लोगों की राय जानने पहुँची दिव्या दिल्ली न्यूज की टीम। दिल्ली के

ज्वाला हेरी मार्केट रमेश मेडिकल एजेंसी जहा उनकी मुलाकात हुई मुकेश से जिन्होंने (GST) कम होने को ले कर अपनी राय बताई और ये भी बताया की दवाइयों पर (GST) कम होने से दुकानदारों और उपभोक्ताओं को कितना फायेदा होगा।

पश्चिमी दिल्ली की एंटी-नारकोटिक्स टीम की सफलता, अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर दबोचा गया

मोहम्मद अजीज सैफी
दिव्या दिल्ली: राजधानी दिल्ली में नशे के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। पश्चिमी दिल्ली की एंटी-नारकोटिक्स टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अफ्रीकी नागरिक को दबोच लिया है, जो नशे के धंधे में सक्रिय था। गुप्त सूचना पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने राजौरी गार्डन इलाके के टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 54 ग्राम एम्फेटामाइन, जिसे एमडी भी कहा जाता है, बरामद की गई है। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान नाइजीरिया के अनाम्ब्रा स्टेट निवासी 34 वर्षीय एरिक के तौर पर हुई है। शुरूआती पूछताछ में पता चला है कि यह आरोपी दिल्ली और आसपास के इलाकों में ड्रग सप्लाई करता था। एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड की टीम, जिसमें इंस्पेक्टर मनीष कुमार वर्मा, एसआई चंद्र शेखर, एसआई राजेंद्र प्रसाद, हेड कांस्टेबल गजानंद, हेड कांस्टेबल बसंत और कांस्टेबल काशीराम शामिल थे, ने पूरी योजना बनाकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ राजौरी गार्डन थाने में ठउ्रढर एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह ड्रग नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है और इसके पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

दिल्ली में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई तेज, रोहिणी से नाइजीरियाई ड्रग पेडलर गिरफ्तार

विजय विहार (रिपोर्ट : मो अजीज सैफी)
दिव्य दिल्ली :दिल्ली के उपराज्यपाल के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत रोहिणी जिले की पुलिस अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में विजय विहार थाने के रत्न्ड के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक नाइजीरियाई ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान इस्राइल इचेम (उम्र 41 वर्ष), निवासी फेज-क्क्क, ओम विहार, नवादा, दिल्ली के रूप में हुई है। वह नाइजीरिया का नागरिक है और लंबे समय से ड्रग तस्करी में सक्रिय था।

पुलिस ने आरोपी के पास से 10.54 ग्राम कोकीन बरामद की है। रोहिणी जिले के डीसीपी राजीव रंजन के अनुसार, आरोपी के खिलाफ विजय विहार थाने में एनडीपीएस एक्ट और विदेशी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह पिछले कई वर्षों से मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त है। वह पहले भी वर्ष 2016 में एफआईआर संख्या 179/2016 के तहत एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार हो चुका है।
अब पुलिस ड्रग्स की सप्लाई चेन और उसके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। अन्य संभावित तस्करों और सिंडिकेट सदस्यों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए जांच तेजी से जारी है। इस कार्रवाई को मादक पदार्थों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

छठ मैया का सच्चा सेवक झ्र कौशल मिश्रा का दावा उन पर लगे सभी आरोप झूठे

रिपोर्ट- शिवानी कौर बमराह
दिव्य दिल्ली। साल 2021 में सार्वजनिक जगहों पर छठ पूजा पर प्रतिबंध के खिलाफ किए गए प्रचंड प्रदर्शन के मामले में दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में पूर्वांचल मोर्चा प्रभारी कौशल मिश्रा सहित पांच भाजपा कार्यकताओं पर आरोप लगे थे। इसी कड़ी में दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने मैं इस मामले में आरोपी बनाए गए कौशल मिश्रा सहित पांच अन्य पर आरोप तय कर दिए है। अब इस मामले में सभी के खिलाफ ट्रायल चलेगा। बता दें कि आम आदमी पार्टी द्वारा सार्वजनिक जगहों पर छठ पूजा पर प्रतिबंध के खिलाफ यह प्रदर्शन किया गया था। लेकिन कौशल मिश्रा का कहना हैं कि उन पर लगे सभी आरोप बेबुनियादी हैं। भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के तत्कालीन अध्यक्ष कौशल मिश्रा के नेतृत्व में प्रचंड प्रदर्शन किया था। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने भाजपा कार्यकताओं सरकार की गलत नीतियों के कारण पूर्वांचल

मोर्चा को प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ा था।
संगम विहार से भाजपा विधायक चंदन चौधरी ने कहा कि छठ पूजा के समय सार्वजनिक स्थल पर पूजा बाधित करने की कुचेष्टा की गई थी। छठ पूजा पूर्वांचल वासियों की आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। 2021 में छठ महापर्व मनाने के लिए पूर्वांचल वासियों ने प्रदर्शन किया था, जो कि आस्था से जुड़ा विषय था। मैं कहना चाहता हूं कि छठ के लिए सभी की संवेदनाएं जुड़ी होती हैं। भाजपा कार्यकताओं को लेकर अदालत का जो भी निर्णय होगा, वह मान्य होगा, लेकिन कार्यकताओं के हित के लिए जरूरत पड़ने पर पूरी कानूनी मदद की जाएगी। गौरतलब है कि दिल्ली की एक अदालत ने 2021 में सार्वजनिक जगह पर छठ पूजा पर प्रतिबंध मामले में पूर्वांचल मोर्चा द्वारा तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर किए गए प्रदर्शन में कुछ भाजपा कार्यकताओं पर सभी आरोपियों के खिलाफ ट्रायल चलेगा।

चोरी में युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। कोरांव पुलिस ने धर्मेन्द्र कुशवाहा निवासी श्रीनगर पथरताल थाना कोरांव जनपद प्रयागराज को छड़गड़ा तिराहे के पास बन्द पड़ी राइस मिल से गिरफ्तार किया। तीन बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, इनके कब्जे से दो बोरी सरसो, पाँच बोरी गेहूँ, एक इलेक्ट्रानिक तराजू, दो इण्डेन गैस सिलिण्डर बड़े व 460 रुपए नगद बरामद किया है। बॉबी सैनी (ई0प्र0अ0) उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रीनगर पथरताल थाना कोरांव जनपद प्रयागराज द्वारा थाना में दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर अज्ञात चोरों द्वारा विद्यालय का ताला तोड़कर विद्यालय में रखा दो गैस सिलेण्डर की चोरी का मुकदमा लिखा गया था ग्रामसभा पथरताल (श्रीनगर) स्थित चक्की प्लांट का ताला तोड़कर प्लांट में रखा दो बोरी सरसो तिलहन, पांच बोरी गेहूँ, एक इलेक्ट्रानिक तराजू व 2,000 रुपये नगद चोरी का भी मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों चोरी में गये माल व मुल्जिमान की लगातार सुरागरसी पतारसी की जा रही थी।

बहार गारमेंट्स ऑनर का बयान– GST कम होने से बिक्री में आई तेजी

मनीषा
दिव्य दिल्ली : (GST) आठ साल बाद एक बड़े सुधार से गुजरा है। जिसको ले कर सरकार ने टैक्स को सरल बनाने के लिए ऐतिहासिक फैसला लिया। अब पूरे सिस्टम में केवल दो ही टैक्स स्लैब रहेंगे - 5% और 18%। इस बदलाव से कपड़ो की सेल पर कितना बदलाव होगा ये जानने मीडिया पहुंची दिल्ली के

ज्वाला हेरी मार्केट बहार गारमेंट्स जहा उन्होंने बताया की GST) कम होने से दुकानदारों और उपभोक्ताओं को कितना फायेदा होगा और जो अपना नया बिजनेस खोलना चाहते है उनके लिए ये सुनेहरा अवसर है।

GST राहत: किताबों पर जीरो टैक्स से बाजार में खुशी

मनीषा
दिव्य दिल्ली : GST अब पूरे सिस्टम में सिर्फ दो टैक्स स्लैब रहेंगे झ्र 5% और 18%। किताबों और शिक्षा से जुड़ी कई चीजों पर जीरो (GST) कर दिए जाने की खुशी दिल्ली के ज्वाला हेरी मार्केट के नितिन बुक्स एंड स्टेशनर्स में साफ नजर आई। दुकानदारों ने बताया कि इस बदलाव से न सिर्फ उनकी सेल पर अच्छा असर पड़ा है बल्कि खरीदार भी बेहद खुश हैं। उन्होंने इसे दिवाली का तोहफा बताया और कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षा और व्यापार दोनों के लिए बड़ी राहत है।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में छात्रों ने ताला लगाकर किया प्रदर्शन

वाराणसी। वाराणसी के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में समाज विज्ञान विभाग के छात्रों ने सोमवार प्रातः नौ बजे विभागीय गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करते हुए छात्र-छात्राओं ने मूलभूत सुविधाओं की मांग की।

छात्र अभिषेक ने कहा कि समाज विज्ञान विभाग में आठ बजे से कक्षाएं चलती हैं। विभाग की विभागाध्यक्ष स्वयं एक महिला है, इसके बावजूद छात्राओं के लिए समुचित शौचालय की व्यवस्था नहीं है। विद्युतीकरण भी ठीक नहीं है। विभाग में पर्याप्त बिजली व्यवस्था न होने के कारण कई जगहों पर अंधेरा रहता है।
प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि विभाग के भीतर वाटर कूलर तो लगा है लेकिन उसमें से पानी नहीं आता है। बारिश में छत से पानी टपकता है। इसी तरह की अव्यवस्था किसी विश्वविद्यालय के विभाग में होती है क्या। छात्र-छात्राओं की शिकायत करने पर उन्हें उल्टा जवाब दे दिया जाता है। ऐसी स्थिति में विवश होकर आज प्रदर्शन करने पर बाध्य हुए हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर अधेड़ की मौत

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में राजगढ़ थाना क्षेत्र के इंद्रानगर गांव के पास सोमवार देर रात ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।
राजगढ़ थानाध्यक्ष दयाशंकर ओझा ने मंगलवार को बताया कि यह घटना लूसा रेलवे स्टेशन से करीब पांच सौ मीटर दूर की है। स्टेशन मास्टर की सूचना पर राजगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक ने लाल रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी और सिर पर सफेद गमछा बांधा हुआ था।
शव को कब्जे मे लेकर आसपास के लोगों पहचान करवाने की कोशिश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। फिलहाल अज्ञात में पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम भेजकर पहचान के लिए आसपास के थानों में फोटो भेजकर पहचान कराने प्रयास किया जा रही है।

हाईटेंशन तार से दो बच्चों समेत तीन झुलसे, उपचार के दौरान बालक की मौत

मीरजापुर। विन्ध्याचल कोतवाली क्षेत्र के अटल चौराहे पर सोमवार की देर रात सीमेंट कंपनी का होर्डिंग लगाते समय बड़ा हादसा हो गया। करंट की चपेट में आकर दो बच्चों समेत तीन लोग बुरी तरह झुलस गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान रात में ही 13 वर्षीय कर्तव्य अग्रहरि ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, मां विन्ध्यवासिनी जनरल स्टोर के सामने दुकान की छत पर होर्डिंग लगाया जा रहा था।

सरायममरेज पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सरायममरेज पुलिस द्वारा सोमवार को डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त सत्यनारायण पाल पुत्र बैजनाथ निवासी ग्राम साथर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम साथर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

साइबर पुलिस की गिरफ्त में लोगों से ठगी करने वाला शातिर

रोहिणी साइबर सेल (रिपोर्ट- युवी चौधरी)
दिव्य दिल्ली: रोहिणी जिले के साइबर पुलिस थाने की टीम ने एक शातिर चीटर को गिरफ्तार किया है जिसका नाम साईसहाब दास है और यह कोलकाता का रहने वाला है जो डिजिटल अरेस्ट करके ठगी करता था इस संबंध में जानकारी देते हुए रोहिणी जिला के डीसीपी राजीव रंजन ने बताया पिछले साल दिसंबर के महीने में रोहिणी की रहने वाली एक महिला अपनी मां को देखने मुंबई गई थी तभी एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया जिसने अपने आप को पुलिस अधिकारी बताया और यह कहा कि आधार कार्ड में जो डिटेल दी हुई है उसके आधार पर यह पता चला है कि आप मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल है उसके बाद उस अज्ञात व्यक्ति ने महिला के कई चल और अचल संपति की डिटेल दी और इस संबंध में महिला के

खिलाफ मामला दर्ज होने के भी बात की इस बीच अज्ञात व्यक्ति ने महिला के नाम पर एफडी होने की भी जानकारी दी और इससे बचने का तरीका भी यह बताया कि वह अपनी एफडी की रकम उसके अकाउंट में दर्ज कर दे उसके बाद महिला ने दिल्ली जाकर उस अज्ञात व्यक्ति के अकाउंट में लगभग लाखों रुपए डिपॉजिट कर दिए उसके बाद महिला को इस बात का एहसास हुआ कि वह साइबर फ्रॉड का शिकार हो गई है और फिर उसने साइबर थाने में इसकी कंप्लेंट दी उसके बाद साइबर थाने की टीम को इस मामले की जाँच के लिए दी गई और फिर इन्वेस्टिगेशन शुरू हुआ इस दौरान टेक्निकल टूल्स की भी मदद ली गई और यह पता लगा कि आरोपी ने अपने एक साथी जो गौर सिटी नोएडा में रहता है कि साथ मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया और मुख्य आरोपी वेस्ट बंगाल का रहने वाला है और अलग-अलग राज्यों में वह इसी तरह से लोगों को ठगने का काम करता था उसके बाद साइबर थाने की टीम ने बंगाल के नॉर्थ 24 परगना इलाके में रेड डालकर वहां से इस आरोपी को गिरफ्तार किया आरोपी के पास से वह मोबाइल फोन बरामद हो गया है जिससे ठगी की थी।

रोहिणी जिले के डीसीपी राजीव रंजन से मिली जानकारी के अनुसार 10.54 ग्राम कोकीन बरामद की गई.

विजय विहार (मेघा)
दिव्य दिल्ली: दिल्ली के उपराज्यपाल के निदेर्शानुसार, तस्करों के खिलाफ कड़ी करवाई की जानी चाहिए इसके बाद दिल्ली के तमाम जिलों की पुलिस अलर्ट मोड में है, इसी के तहत तो रोहिणी जिले के विजय विहार थाने के रत्न्ड के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, ताकि रोहिणी जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री पर रोक लगाया जा सके। पुलिस थाना विजय विहार के स्टाफ ने सराहनीय कार्य करते हुए एक मादक पदार्थ ड्रग पेडलर इस्राइल इचेम (नाइजीरियाई नागरिक, निवासी: फेज- III, ओम विहार, नवादा, दिल्ली, आयु: 41 वर्ष) को गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी से 10.54 ग्राम कोकीन बरामद की गई। रोहिणी जिले के डीसीपी राजीव रंजन से मिली जानकारी के अनुसार NDPS एक्ट और 14 विदेशी अधिनियम के तहत मामला विजय विहार थाने में दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। सघन पूछताछ के दौरान, आरोपी ने पिछले कई वर्षों से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने की बात कबूल की।

बरामद ड्रग्स के स्रोत का पता लगाने, अन्य सिंडिकेट सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आगे की जांच जारी है इसराइल एचेम, निवासी एचेम, दिल्ली, एक नाइजीरियाई नागरिक जो फेज-III, ओम विहार, नवादा, दिल्ली में रहता है, उम्र 41 वर्ष। वह पहले भी एफआईआर संख्या 179/2016, धारा 21 एनडीपीएस एक्ट, मे शामिल रहा है।

जुआ खेलते 4 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

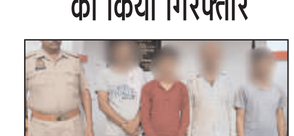

फतेहपुर ।
पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद फतेहपुर अनूप कुमार सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम तथा वांछित/वारण्टी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना किशनपुर पुलिस द्वारा 4 अभियुक्तगण आशीष कुमार अग्रवाल पुत्र ओमकारनाथ नि0 वार्ड नं0 08 थाना कस्बा किशनपुर, फतेहपुर उम्र 38 वर्ष . श्रवण सोनकर पुत्र जगतनारायण . सुमित सोनकर पुत्र कौशल . बलराम निषाद पुत्र लल्लन उम्र 58 वर्ष निवासीगण महावतपुर असहट थाना किशनपुर जनपद फतेहपुर को घटनास्थल महावतपुर असहट थाना किशनपुर से गिरफ्तार किया गया ।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321